सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गीता डॉ टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉ टर शरीर के **पेज: 7**

इंस्पे टर अविनाश में विजुअल परफे शन से ज्यादा **पेज: 8**

वर्ष : 02 | अंक : 46 | सोमवार 18 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नौशेरा में भारतीय सेना का बड़ा ऑपरेशन, जंगल से मिला जिंदा मोर्टार गोला किया डिफ्यूज

नई दिल्ली एजेंसी: जम्मू-कश्मीर के नौशेरा सेक्टर से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां भारतीय सेना की 59 इंजीनियर रेजिमेंट ने तत्परता दिखाते हुए धनाका के जंगली इलाके में पड़े एक जिंदा आरटी मोर्टार शेल को सुरक्षित रूप से डिफ्यूज कर दिया है। जंगली इलाके में मिला था मोर्टार शेल सैन्य अधिकारियों के अनुसार, यह खतरनाक मोर्टार शेल धनाका के घने जंगली क्षेत्र में लावारिस हालत में पड़ा हुआ मिला था, जिससे किसी भी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी। सूचना मिलते ही सेना की बम निरोधक टीम (इंजीनियर रेजिमेंट) तुरंत मौके पर पहुंची और बिना किसी नुकसान के इस जिंदा शेल को नष्ट कर दिया, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

गुजरात में अमित शाह ने किया टेक पार्क का उद्घाटन, बोले- देश का सबसे बड़ा सेवा और डीप-टेक हब बनेगा

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज गुजरात के दौरे पर हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान वे गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ नवनिर्मित 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर कैंपस के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने गुजरात को आने वाले समय में देश का सबसे बड़ा सर्विस और डीप-टेक हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार के संकल्प को दोहराया। गुजरात के औद्योगिक विकास की तारीफ<समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने गुजरात के औद्योगिक विकास की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे काम के सिलसिले में देश के लगभग सभी राज्यों का दौरा करते हैं, लेकिन उद्योगों के विकास की जो रफ्तार

गुजरात में देखने को मिलती है, वह सचमुच बेमिसाल है। गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात ने मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और अब हमारा लक्ष्य सर्विस सेक्टर में भी गुजरात को देश के सबसे आगे रहने वाले राज्यों में शामिल करना है। अमित शाह ने भविष्य की तकनीकों पर जोर देते हुए कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एआई, डीप-टेक, डिजाइन इनोवेशन और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में तेजी से दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहा है। आने वाले 25 सालों में यही तकनीकें पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चलाएंगी और भारत इसके लिए पूरी तरह तैयार हो

शुक्रवार या ऐसे अन्य दिनों जिन्हें विविध दिन घोषित किया........

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ गुजरात में 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' का उद्घाटन कर राज्य को सर्विस और डीप-टेक का हब बनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने गुजरात के औद्योगिक विकास मॉडल की सराहना करते हुए इसे देश के लिए एक मिसाल बताया।

चुका है।" उन्होंने आगे कहा कि भारत के युवाओं का हुनर, तकनीकी क्षमता और नया सोचने का अंदाज आज पूरी दुनिया को अपनी तरफ खींच रहा है। उन्हें पूरा भरोसा है कि गुजरात आने वाले सालों में सिर्फ फैक्ट्रियों का ही नहीं, बल्कि सर्विस और नॉलेज इकोनॉमी का भी सबसे बड़ा केंद्र बनेगा। एनआईडी में नई शुरूआत अहमदाबाद में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन के एक कार्यक्रम में शामिल होकर गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर परिसर में इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर की शुरूआत की। उन्होंने इस केंद्र को नए आइडिया पर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि NID सिर्फ पढ़ाई-लिखाई का एक कॉलेज नहीं है, बल्कि यह युवाओं की रचनात्मकता, नई सोच और व्यापार को आपस में जोड़ने वाला एक मजबूत मंच है, जिसने देश को डिजाइन की दुनिया में नई दिशा दी है। युवाओं की सोच बनेगी देश की ताकत गृह मंत्री ने याद दिलाया कि जब एनआईडी की स्थापना की गई थी, तब इसके उद्देश्यों को बहुत दूर की सोच के साथ तैयार किया गया था। आज वही सोच भारत को नए स्टार्टअप, बेहतरीन डिजाइन और टेक्नोलॉजी के रास्ते पर आगे ले जा रही है। उन्होंने अंत में कहा कि हमारे देश के युवाओं की नई सोच और तकनीक पर आधारित व्यापार ही आने वाले समय में भारत की असली आर्थिक ताकत बनने जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू का बड़ा ऐलान, चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी 40,000 की मदद

नई दिल्ली एजेंसी: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को राज्य के लोगों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में तीसरा बच्चा पैदा होने पर परिवार को 30,000 रुपये और चौथा बच्चा होने पर 40,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। नायडू सरकार ने यह कदम राज्य में लगातार घटती जनसंख्या की दर को रोकने के लिए उठाया है। जनसभा में दी जानकारी श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह फैसला ले लिया है। इस योजना के बारे में पूरी और विस्तृत जानकारी एक महीने के भीतर जनता के सामने रख दी जाएगी। स्वच्छता कार्यक्रम में दिया बयान 'स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र

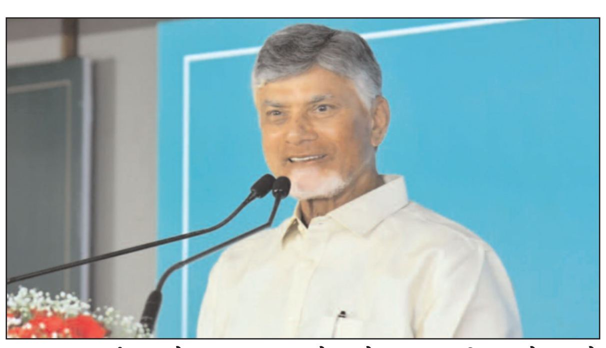

स्वच्छता कार्यक्रम' से अलग एक दूसरे कार्यक्रम में चंद्रबाबू नायडू ने जनता से संवाद करते हुए कहा, "मैंने एक नया निर्णय लिया है। हम तीसरे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपये देंगे। क्या यह सही निर्णय नहीं है?" यह ध्यान देने वाली बात है कि मुख्यमंत्री नायडू ने पहले जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का समर्थन किया था, लेकिन अब उनका मानना है कि समय आ गया है जब समाज को जन्म दर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। दूसरे बच्चे पर भी था प्रस्ताव तीसरे और चौथे बच्चे पर इनाम की यह घोषणा उनके एक पुराने प्रस्ताव के बाद आई है। इससे पहले 5 मार्च को मुख्यमंत्री ने विधानसभा में बताया था कि राज्य सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर पति-पत्नी को 25,000 रुपये की मदद देने पर विचार कर रही है। आबादी घटने पर जताई चिंता मुख्यमंत्री नायडू ने चिंता जताते हुए कहा कि आजकल कुछ अमीर परिवार सिर्फ एक ही बच्चा रखना पसंद कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब उनकी पहली संतान लड़का न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि इस सोच के कारण राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर तेजी से घट रही है। उन्होंने आबादी को स्थिर रखने के लिए 'कुल प्रजनन दर' को 2.1 पर लाने की जरूरत बताई। नायडू ने समझाया कि आबादी तभी संतुलित और स्थिर रहती है, जब औसतन प्रति महिला 2.1 बच्चे हों।

नीदरलैंड को भारत का दो टूक जवाब, 'मीडिया की स्वतंत्रता पर सवाल उठाने से पहले हमारी विविधता देखिए'

नई दिल्ली एजेंसी: भारत ने मीडिया की स्वतंत्रता में गिरावट और धार्मिक एवं अल्पसंख्यक अधिकारों के हनन के आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। भारत ने जोर देकर कहा है कि वह एक जीवंत लोकतंत्र है, जो अपने सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेटेन की ओर से भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कथित गिरावट को लेकर चिंता जताए जाने की खबरों के संबंध में पूछे सवाल के जवाब में ये टिप्पणियां कीं। जॉर्ज शनिवार शाम को एम्स्टर्डम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीदरलैंड की दो दिवसीय यात्रा के संबंध में मीडिया से बात कर रहे थे। जॉर्ज ने कहा, ह्यह्यप्रश्न पूछने

वाले की समझ की कमी के कारण हमें इस सवाल का सामना करना पड़ा। भारत 1.4 अरब लोगों का देश है- दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पांच हजार साल पुरानी सभ्यता का देश है। जॉर्ज ने आरोपों का खंडन करते हुए भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई विविधता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, भारत को देखिए, यह कितना खूबसूरत है। दुनिया में कोई दूसरा देश नहीं है, जहां इतने धर्मों का उदय हुआ हो- हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म। इन सभी का भारत में उदय हुआ और आज भी फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख धर्मों को भारत में आश्रय मिला और यहां उनका प्रसार होता रहा। उन्होंने कहा, भारत शायद उन चंद देशों में से एक है, जहां यहूदी समुदाय को कभी किसी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा। यही भारत की खूबसूरती है। हाल में हुए विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए जॉर्ज ने कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहां शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण इसकी प्रमुख विशेषता है। उन्होंने कहा कि भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता किए बिना आर्थिक सफलता हासिल की। उन्होंने कहा, ह्यह्यहमने गरीबी से निपटने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से गरीबी दूर की। जॉर्ज ने कहा, हम दुनिया की कुल आबादी के छठे हिस्से हैं, लेकिन दुनिया की समस्याओं का छठा हिस्सा नहीं हैं। यही भारत की खूबसूरती है, जो हमें गर्व से भर देती है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से जलन की अफवाहों पर रजनीकांत ने लगाया पूर्ण विराम

नई दिल्ली एजेंसी: सुपरस्टार रजनीकांत ने रविवार को उन चचाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि उन्हें तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय से जलन है। चेन्नई के पोएस गार्डन स्थित अपने घर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए रजनीकांत ने साफ किया कि हाल ही में डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात सिर्फ एक दोस्ती के नाते हुई थी और उसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। उन्होंने अफवाहों का जवाब देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन से मिलना, विजय के मुख्यमंत्री बनने के रास्ते में रुकावट डालना या पार्टियों को आपस में जोड़ना नहीं था। रजनीकांत ने की विजय की तारीफ टीवीके के संस्थापक और मुख्यमंत्री विजय के प्रति किसी भी तरह की कड़वाहट से इनकार करते हुए जेलर स्टार रजनीकांत ने कहा कि उनके और नए मुख्यमंत्री के बीच उम्र का 25

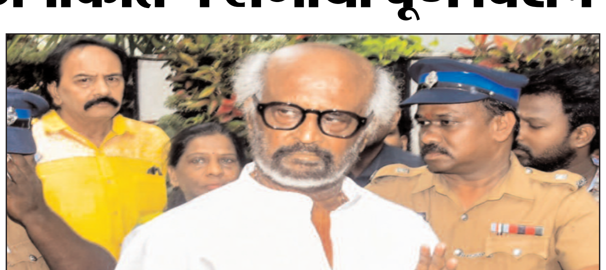

साल का बड़ा अंतर है। उन्होंने विजय की कम उम्र में मिली बड़ी सफलताओं की तारीफ की। रजनीकांत ने कहा कि विजय ने इतनी छोटी उम्र में जो हासिल किया है, वह सिनेमा और राजनीति के दिग्गज नेता एमजीआर और एनटीआर की उपलब्धियों से भी कहीं बढ़कर है। आपको बता दें कि एमजीआर और एनटीआर अपने समय में क्रमशः तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। बचपन से विजय को आगे बढ़ते देखा रजनीकांत ने पुरानी यादें साझा करते हुए कहा, "मैंने विजय को बचपन से देखा है। अगर वे मुख्यमंत्री बन गए हैं, तो मुझे उनसे जलन क्यों होगी? वे महज 52 साल की उम्र में इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं और उन्होंने एमजीआर और एनटीआर से भी ज्यादा हासिल कर लिया है। मुझे उनसे जरा भी ईर्ष्या नहीं है।" इसके साथ ही रजनीकांत ने विजय को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई भी दी। हाल ही में 23 अप्रैल को हुए चुनावों में विजय की पार्टी टीवीके ने कांग्रेस, वीसीके, वामपंथी दलों और आईयूएमएल के साथ मिलकर 108 सीटें जीतीं और सालों से राज कर रहीं

सीबीएसई की त्रि-भाषा नीति पर फिर छिड़ी बहस, द्रमुक बोली- ये जबरन थोपने की कोशिश

नई दिल्ली एजेंसी: सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। 1 जुलाई 2026 से 9वीं कक्षा के छात्रों के लिए तीन भाषाओं की पढ़ाई करना पूरी तरह अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि, बोर्ड ने छात्रों को राहत देते हुए यह भी साफ कर दिया है कि कक्षा 10वीं में इस तीसरी भाषा के लिए कोई मुख्य बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी 15 मई को जारी किए गए एक आधिकारिक सर्कुलर में बोर्ड ने बताया कि छात्रों द्वारा चुनी जाने वाली इन तीन भाषाओं में से कम से कम दो भाषाएं भारतीय मूल की होनी चाहिए। सीबीएसई का यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023 के नियमों के तहत उठाया गया है। डीएमके ने फैसले का किया विरोध सीबीएसई की इस तीन-भाषा नीति पर चेन्नई में डीएमके के प्रवक्ता टी.के.एस. एलंगोवन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा, "हम इस तीन-भाषा नीति का पूरी तरह विरोध करते हैं। इसे अभी क्यों लागू किया जा रहा है? क्योंकि सरकार बदलने के साथ ही उन्हें लगता है कि वे दबाव डालकर इसे जबरन लागू करवा सकते हैं। हम देखेंगे कि इस संवेदनशील मुद्दे पर हमारी राज्य सरकार कैसी प्रतिक्रिया देती है और इसका सामना कैसे करती है।" कांग्रेस नेता ने जताई छात्रों की चिंता सीबीएसई के इस नए नियम पर कांग्रेस नेता उदित राज ने भी गहरी चिंता जताई है और इसे छात्रों के लिए परेशानी का सबब बताया है। उन्होंने कहा, "इस फैसले से स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षक और छात्र सभी बहुत परेशान हैं। जो छात्र अभी फ्रेंच या

आईएमडी का बड़ा अलर्ट: दिल्ली-एनसीआर में भीषण हीटवेव का कहर, पारा 45 डिग्री तक पहुंचने के आसार

नई दिल्ली एजेंसी: मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। राजधानी दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी लोगों की मुश्किलें बढ़ाने वाली है। IMD ने कहा है कि 22 मई तक दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में लू से लेकर गंभीर हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। दिल्ली-NCR में 45 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों के दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। रविवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इसके बाद आसमान साफ रहने से भीषण गर्मी बढ़ेगी और पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। रात के समय गर्व हवाएं चल सकती हैं। तामपान अधिक बढ़ सकता है और राहत मिलने की संभावना कम है। आखिर

क्या होती है हीटवेव? मौसम विभाग के अनुसार, मैदानी इलाकों में जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो सकता है और सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस या अधिक ऊपर चला जाए, तो उसे हीटवेव माना जाता है। अगर पारा 45 डिग्री सेल्सियस सा उससे अधिक हो जाए, तो उसे सीधे तौर पर लू की स्थिति मानी जाती है, चाहे सामान्य तापमान से अंतर कितना भी हो। हेल्थ पर पड़ सकता है गंभीर असर तेज गर्मी और लू के कारण डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस दौरान छोटे बच्चे, बुजुर्गों और बाहर काम करने वाले लोगों की विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। गर्मी से बचने के लिए अपनाएं ये उपाय- लू से बचने के लिए सबसे जरुरी है कि 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में न निकलें। - पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। - हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें। - बाहर निकलने से पहले टोपी, छाता या गमछा का इस्तेमाल जरुर करें।- बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। राहत मिलने का कोई चांस नहीं क्टऊने अलर्ट किया है

नीट पेपर लीक पर भाजपा-कांग्रेस में घमासान, राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा का जोरदार पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से न हटाए जाने पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राहुल गांधी की इस मांग को विपक्ष के कई बड़े नेताओं का साथ मिला है, जबकि भाजपा ने इस पर पलटवार करते हुए उन्हें इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की सलाह दी है। साल 2024 और 2026 के मामलों की तुलना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में राहुल गांधी ने साल 2024 और 2026 के नीट पेपर लीक मामलों से निपटने के सरकार के तरीके की तुलना की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से देश के सामने खड़े सवालों के जवाब देने की मांग की। राहुल गांधी ने पोस्ट में उठाए सवाल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में सरकार के कामकाज पर निशाना साधते हुए लिखा, "नीट 2024 का पेपर लीक हुआ, लेकिन परीक्षा रद नहीं हुई और न ही मंत्री ने इस्तीफा दिया। तब सीबीआई जांच शुरू हुई और एक समिति बनाई गई। अब नीट 2026

का पेपर लीक हुआ, तो परीक्षा रद कर दी गई, लेकिन मंत्री ने अभी भी इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर से जांच कर रही है और एक और समिति बनाई जाएगी। पीएम मोदी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है - उनके जवाब दीजिए! पेपर बार-बार लीक क्यों हो रहे हैं? इस 'परीक्षा पेपर चर्चा' पर आप हमेशा चुप क्यों

नीट पेपर लीक विवाद पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला बोलते हुए इस्तीफे की मांग की है, जिस-के जवाब में भाजपा ने कांग्रेस पर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए अपनी सरकार द्वारा की गई

रहते हैं? आप उस शिक्षा मंत्री को पद से क्यों नहीं हटा रहे, जो बार-बार नाकाम साबित हो रहे हैं?" कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का मिला समर्थन कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भी राहुल गांधी की इस मांग का खुलकर समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त करने की बात कही थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भाजपा और आरएसएस के गठजोड़ ने देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। सिद्धरमैया ने कर्नाटक के एक लाख से अधिक छात्रों समेत देश के 22 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार निष्पक्ष और सुरक्षित परीक्षा कराने में पूरी तरह फेल रही है, जिससे छात्र अनिश्चितता के माहौल में जीने को मजबूर हैं। आपको बता दें कि 3 मई को हुई नीट यूजी परीक्षा को प्रश्न पत्र लीक होने के आरोपों के बाद रद कर दिया गया था। भाजपा का पलटवार दूसरी तरफ, भाजपा ने नीट यूजी 2026 मामले पर सरकार का बचाव करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी पर पलटवार किया है। भाजपा नेता भंडारी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही तुरंत और कड़ी कार्रवाई की है और सरकार हमेशा छात्रों के हितों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि अनियमितताओं का पता चलते ही परीक्षा को तुरंत रद किया गया और छात्रों पर बिना कोई अतिरिक्त बोझ डाले 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा भी कर दी गई है। कांग्रेस के पुराने रिकॉर्ड की याद

संपादकीय

चुनाव तू फिर आना

नगर निगम चुनाव की हसरतों में राजनीति ने यह बता दिया कि आइंदा इस सफर की ओट में विकास की परिभाषा बदलेगी। विजन जिस तरह स्थानीय मुद्दों से सभी के आचरण तक पहुंचा, उससे स्वाभाविक तौर पर अंतर आएगा। चार नगर निगमों के बहाने आम नागरिक यह समझ सकता है कि चुनाव में टिके रहने के लिए राजनीति को अपने दूत सही करने पड़ेंगे। अफसोस यह कि पार्षदों से मेयर और मेयर बनने की मेहरबानियों से ये शहर गफलत में हैं, लेकिन शहरी चरित्र और जवाबदेही के विषय घूम फिर कर वापस आ गए। संकल्पों से हटकर राजनीति ने तू-तू, मैं-मैं की रट में एक लाजिमी बहस से किनारा किया और बीच-बीच में लगने लगा कि भाजपा सत्ता को कोस रही और कांग्रेस दिल्ली की सत्ता को कोस रही है। अगर चुनाव पारंपरिक राजनीति में उछलते वैमनस्य पर ही होने हैं, तो हम शहरी व्यवस्था को समझ ही नहीं रहे। यह दीगर है कि पार्टियों ने कुछ शहरी बिंदुओं पर चुनाव की फेहरिस्त बनाई है, लेकिन राज्य के लिए यह द्वार पूरी तरह नहीं खुला। कांग्रेस ने अपने विजन की वकालत में चारों शहरों को अपनी उमंगों से जोड? का मंतव्य समझाया। बेहतर होता सत्ता दल इस बहाने हिमाचल के शहरीकरण को संबोधित करता यानी पूरे प्रदेश के शहरों में अगले दशक में क्या तस्वीर होगी। कौन से व्यवस्थागत व ढांचागत परिवर्तन अहम होते। स्थानीय परिवहन या लोकल ट्रांसपोर्ट पर बहुत सा कार्य संभव है। जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति के नक्शे पर शहरीकरण की नई परिभाषा क्या होगी। बेशक नगर निगम चुनावों में हौले से कुछ ऐसे मुद्दे या संकल्प आए हैं, जो शहर को नई दृष्टि से देख रहे हैं। मसलन पर्यटन ने ऊंची आवाज देकर चुनाव से कहा है, 'मैं यहां हूं।' पालमपुर में 'पर्यटन सर्किट' खोजती भाजपा ने एक हुंकार भरा है, तो मंडी का शिवधाम और मंदिर प्रदक्षिणा के करीब चुनाव ने संभावना देखी है। सोलन की कसौटियां अभी भी नहीं समझीं कि महानगर बनने की आभा को बचाने की कितनी जरूरत है। कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों का एक बड़ा युद्ध धर्मशाला में देखा गया। वादे सफेद चादर पर लिखे दाग हो जाएं, तो कौन अपनी चैन को मुगालते में देखेगा। यह इसलिए कि हर पार्टी और पार्टियों की हर सरकार ने शहरों को सियासत का मुर्गा बना दिया। राजनीति प्रभाव से कई सिंह द्वार अगर किसी विधानसभा क्षेत्र की पहचान हैं, तो यह कारनामा सिर्फ प्रचार है। प्रतीक और चिन्ह ढूंढते नेताओं ने हिमाचल की समग्रता को समझा ही नहीं। हर शहर अगर एक आर्थिक केंद्र तथा रोजगार का मंच है, तो विकास की योजनाएं इस आधार को आकार देतीं। हिमाचल के कई कस्बे व शहर अपने वजूद में, पर्यटन की मौलिकता के साथ हाजिर हैं, तो इनका विकास इसी लिहाज से होना चाहिए। कुछ शहर शिक्षा के हब बन रहे हैं, तो कुछ खेल गतिविधियों के केंद्र। कुछ युवा पर्यटकों के आकर्षण में फल फूल रहे, तो कई अन्य आयोजन के कारण मशहूर हैं। किसी शहर के नक्षत्र वहां के मंदिर तय कर रहे हैं, तो योजना अलग-अलग प्रारूप में होनी चाहिएं। क्या चुनाव के बाद मंडी को हम सांस्कृतिक राजधानी की क्षमता में खड़ा कर पाएंगे। क्या पालमपुर अपने परिवेश में चाय के बागीचों के संतुलन से 'पर्यटन सर्किट' का इतिहास लिखेगा।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी – वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर civic sense का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी – हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें, तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। ह्लस्वच्छ भारत अभियानह्व ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना – ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है। लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा। हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियाँ और अनेक बीमारियाँ फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी।

एचआईवी वैक्सीन की खोज: चुनौतियों के बीच चमकती उम्मीद

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में एचआईवी एक खतरनाक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है। एचआईवी मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उपचार नहीं किए जाने पर एड्स में बदल सकता है। एड्स पहली बार 1981 में अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था और देखते ही देखते यह एक विश्वव्यापी महामारी बन गया। एड्स ऐसी स्थिति होती है, जो संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को बेहद कमजोर कर देती है। ऐसे व्यक्ति को तपेदिक, विभिन्न संक्रमण और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में इस समय चार करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2021 में साढ़े छह लाख लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और 15 लाख लोगों को एचआईवी हुआ। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एचआईवी दुनियाभर में 4.01 करोड़ लोगों की मौत का कारण बन चुका है और अभी भी सभी देशों में एचआईवी संचरण देखा जा रहा है तथा कुछ देश तो नए मामलों में वृद्धि भी रिपोर्ट कर रहे हैं।

यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी के लिए टीका विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के लिए 18 मई को 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता है, जिसे 'एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस' भी कहा जाता है। वास्तव में यह उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के काम का सम्मान करने का अवसर है, जो लंबे समय से एचआईवी की रोकथाम के लिए टीका बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

पहली बार 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भाषण का सम्मान करते हुए 18 मई 1998 को मनाया गया था। दरअसल बिल क्लिंटन ने 18 मई 1997 को मैरीलैंड में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में इस घातक बीमारी को रोकने और उन्मूलन में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए एचआईवी का एक ऐसा टीका विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था कि एक प्रभावी एचआईवी टीका ही एचआईवी के प्रसार को नियंत्रित करने और उन्मूलन में मदद करेगा और एचआईवी से लड़ने की लोगों की क्षमता में सुधार करेगा। तभी से वैश्विक स्तर पर कई समूहों द्वारा लोगों को एड्स निवारक उपाय करने, एड्स संबंधी शिक्षा का प्रसार करने, शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने तथा इस कार्य में आम आदमी की पूर्ण भागीदारी का आश्वासन देने के लिए विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया जाता है। विभिन्न बीमारियों के उपचार और रोकथाम के लिए टीके मानवता की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक हैं, जो मानव शरीर को वायरस अथवा बैक्टीरिया के कमजोर या निष्क्रिय रूप में उजागर करके अपना काम करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी विकसित करने के लिए उत्तेजित करते हैं ताकि शरीर भविष्य के संक्रमण से भी लड़ सके। इसीलिए एक सफल एचआईवी टीका बनाने के लिए भी दुनियाभर के शोधकर्ता प्रयासरत हैं, जिससे वायरस के प्रसार को रोकते हुए लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिल सके। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में एड्स के टीके की खोज की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन एक कारगर सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन की राह में अभी भी काफी चुनौतियां बरकरार हैं।

एचआईवी का वर्तमान में कोई सुरक्षित इलाज नहीं है, एक बार जब वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है तो इसे हटाया नहीं जा सकता है लेकिन हाल के वर्षों में जीवन-रक्षक एंटीरेट्रोवायरल उपचारों के आगमन ने लाइलाज मानी जाने वाली एड्स की बीमारी को लेकर स्थिति को काफी बदल दिया है और इन उपचार पद्धतियों से इलाज कराकर लोग अब लंबा तथा स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) प्रतिरक्षा प्रणाली को होने वाले नुकसान को रोक सकती है अथवा उलट सकती है। यदि रोगी एआरटी का पालन करते हैं तो ऐसे अधिकांश मरीज स्वस्थ रहते हैं। फिलहाल व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी (बीएनएबीएस) की खोज भी एचआईवी उपभेदों की विस्तृत श्रृंखला को प्रभावी ढ़ंग से बेअसर करने में अहम भूमिका निभा रही है। इन एंटीबॉडीज ने एक ऐसी सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन के विकास की आशा को प्रेरित किया है, जो वायरस के खिलाफ व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। एमआरएनए तथा वायरल वेक्टर प्रौद्योगिकियों जैसे वैक्सीन वितरण प्लेटफार्मों में प्रगति ने भी वैक्सीन विकास प्रयासों को तेज कर दिया है और सफलता की संभावनाएं काफी बढ़ गई है।

1987 में अमेरिका के मैरीलैंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) में वैज्ञानिकों ने एड्स वैक्सीन पर शोध करना शुरू किया था। इस शोध प्रक्रिया को कोविड-19 वैक्सीन पर हुए शोध ने गति देने में मदद की है। जिस एम-आरएनए तकनीक का इस्तेमाल कोविड वैक्सीन में किया गया, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के इम्यूनोला/जिस्ट अब उसी तकनीक का उपयोग एड्स वैक्सीन पर भी कर रहे हैं। बहरहाल, एक कारगर सार्वभौमिक एड्स वैक्सीन की खोज का रास्ता लंबा और कठिन भले ही माना जा रहा है लेकिन इस दिशा में अभी तक हुई प्रगति को देखते हुए एड्स वैक्सीन की खोज में आगे आने वाली चुनौतियों के बावजूद तीव्र प्रगति संभव है और वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दशकों में एड्स मुक्त दुनिया हमारी पहुंच में है।

खंडहरों की गवाही ने लौटाया भोजशाला में वाग्देवी का सम्मान

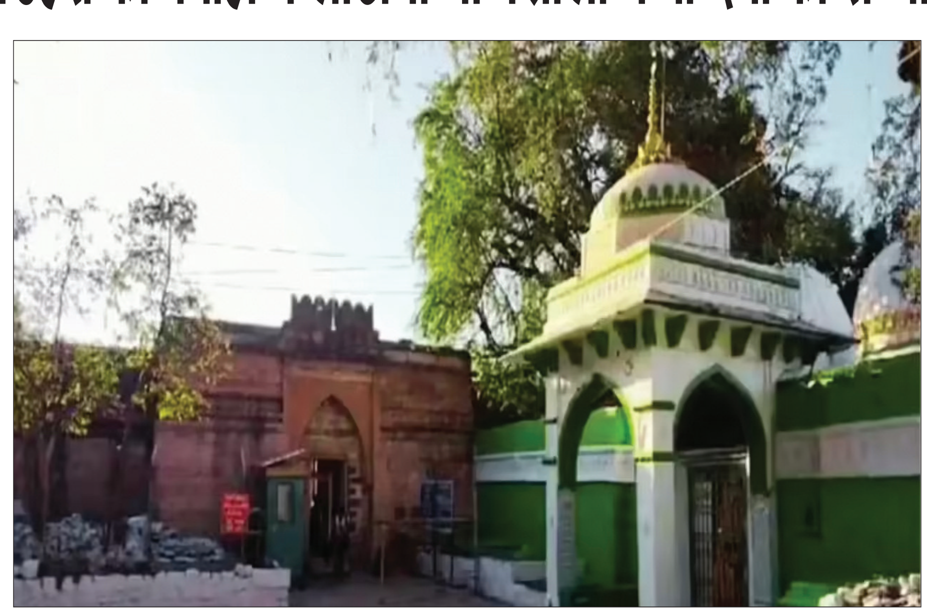

एक विध्वंस के अवशेष एक मां के मंदिर का सम्मान वापिस लौटाने के लिए गवाह बन गए।मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भोजशाला को वाग्देवी मंदिर मान लिया है। हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार भी दे दिया। कोर्ट के इस फैसले के एक दिन बाद आज, रविवार को भोजशाला में पूजा-अर्चना और हवन हो रहा है। धार के कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना में शामिल हुए। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की मूर्ति स्थापना की मांग को भी स्वीकार कर लिया है।

हाल ही में हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि राजा भोज के काल में यह शिक्षा का प्रमुख केंद्र था, इसलिए यहां मूर्ति स्थापना की जा सकती है। अदालत ने पुरातात्विक व ऐतिहासिक साक्ष्यों, पुरातत्व सर्वेक्षण भारत की रिपोर्ट, पुरातत्व संरक्षण एक्ट के प्रावधानों और अयोध्या मामले के फैसले को आधार बनाया है। इस फैसले के बाद आज 17 मई को भोजशाला मंदिर में मां वाग्देवी की प्रतीकात्मक प्रतिमा को विराजित कर दिया गया है।

आपको बता दें कि लंबे समय से विवादों में रहे मध्य प्रदेश के धार जिले के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने शुक्रवार को मंदिर करार दिया। पीठ ने कहा कि पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट पर विचार करने के बाद वह इस नतीजे पर पहुंची है कि संरक्षित स्थान देवी सरस्वती का मंदिर है। पीठ ने एएसआई द्वारा 2003 में पारित उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत मुसलमानों को परिसर में नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने इस मामले से संबंधित पांच याचिकाओं और एक रिट अपील पर पुरातात्विक व ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की अधिसूचनाओं व उसके वैज्ञानिक सर्वेक्षण और कानूनी प्रावधानों की रोशनी में फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के मुकदमे में शीर्ष अदालत के फैसले में निर्धारित सिद्धांतों का भी उल्लेख किया। खंडपीठ ने सामाजिक संगठन हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी व अन्य लोगों की दायर दो अलग-अलग जनहित याचिकाएं मंजूर करते हुए कहा, भोजशाला परिसर और कमाल मौला मस्जिद के विवादित क्षेत्र का धार्मिक स्वरूप वाग्देवी (सरस्वती) के मंदिर वाली भोजशाला के रूप में तय किया जाता है। भोजशाला को लेकर विवाद शुरू होने के बाद एएसआई ने 7 अप्रैल, 2003 को एक आदेश जारी किया था। इसमें हिंदुओं को प्रत्येक मंगलवार भोजशाला में पूजा करने की अनुमति दी गई थी, जबकि मुस्लिमों को हर शुक्रवार इस जगह नमाज अदा करने की इजाजत दी गई थी। इस फैसले को मुस्लिम पक्ष ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। दूसरी ओर हिंदू पक्ष के एक याची जितेंद्र सिंह बिसेन की तरफ से शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय में कैविएट दाखिल की गई जिसमें अनुरोध किया गया कि भोजशाला परिसर विवाद मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ किसी भी अपील पर कोई भी आदेश उसका पक्ष सुने बिना पारित नहीं किया जाए।

गौरतलब है कि एएसआई ने भोजशाला परिसर का 98 दिनों तक सर्वे कर उसकी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की थी। इसमें कई अहम तथ्य सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खोदाई में मूर्तियां, सिक्के और कई ऐतिहासिक अवशेष मिले हैं। इसमें कहा गया कि परमारकालीन भवन की नींव के पत्थरों पर बाद में निर्माण किया गया। सर्वे में मिले स्तंभों और वास्तुकला से संकेत मिलता है कि ये पहले मंदिर का हिस्सा रहे होंगे, जिन्हें बाद में मस्जिद निर्माण में इस्तेमाल किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि परिसर में चारों दिशाओं में 106 खड़े व 82 आड़े स्तंभमिले, यानी कुल 188 स्तंभ पाए गए। इनकी बनावट से संकेत मिलता है कि वे मूल रूप से मंदिर स्थापत्य का हिस्सा थे। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि स्तंभों पर बनी देवी-देवताओं और मानव आकृतियों को बाद में औजारों से क्षतिग्रस्त किया गया था। सर्वे में दो ऐसे स्तंभ भी मिले हैं, जिन पर ओम सरस्वत्यै नमः लिखा हुआ है। सर्वे रिपोर्ट के पेज नंबर 148 में उल्लेख किया गया है कि स्तंभों की वास्तुकला यह दर्शाती है कि वे पहले मंदिर का हिस्सा थे और मस्जिद निर्माण के दौरान बेसाल्ट के ऊंचे चबूतरों पर उनका दोबारा उपयोग किया गया। एक स्तंभपर देवी-देवता की आकृति मौजूद है।अपने 242 पृष्ठों के फैसले में अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), जो 1952 से इस स्मारक का प्रबंधन कर रहा है। उसको परिसर के संरक्षण और आवागमन के नियमन का प्रभार सौंपा। अदालत ने यह भी कहा कि मुसलमानों को अब इस स्थल पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी और राज्य सरकार को इसके लिए धार जिले में वैकल्पिक भूमि आवंटित करने पर विचार करने का निर्देश दिया।

आपको पता है अतीत में हिन्दुओं के धार्मिक स्थानों पर हमला कर कब्जा करना विदेशी आक्रमणकारियों के लिए आम बात थी। उनका लक्ष्य हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाना और उन्हें नीचा दिखाना ही था। स्वतंत्रता के पश्चात चाहिए तो यह था कि भारत सरकार स्वयं आगे आकर देश के बहुमत हिन्दू समाज की भावनाओं का आदर करते हुए आक्रमणकारियों द्वारा तोड़े गए धार्मिक व ऐतिहासिक स्थानों को चिन्हित कर उनका पुनरुत्थान करती, लेकिन धर्मनिरपेक्षता की आड़ में जो तुष्टिकरण की नीति सत्ताधारियों ने अपनाई उसके कारण समय बीतने के साथ धार्मिक व ऐतिहासिक स्थानों को लेकर देश में तनाव पैदा होने लगा।

समस्या यह है कि मुस्लिम समाज का एक वर्ग अपने आप को विदेशी हमलावरों का वंशज मान हिन्दुओं के विरुद्ध खड़ा होने लगा। परिणामस्वरूप मामले न्यायलयों में जाने लगे। भोजशाला परिसर भी उनमें से एक है। समय की मांग है कि मुस्लिम समाज हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए धार्मिक स्थानों के मामले में उदारता दिखाए और विवादों को संवाद द्वारा सुलझाने को प्राथमिकता दे। यह कदम समाज व देश, दोनों के लिए हितकारी होंगे।

शनिवार को परिसर के नक्काशीदार पत्थर के स्तंभों पर गेंदे के फूलों की मालाएं लटकी हुई थीं। श्रद्धालु नंगे पैर मेहराबों के नीचे कतार में खड़े होकर पूजा कर रहे थे, तस्वीरें ले रहे थे और काले पत्थर के फर्श पर फूलों की पंखुड़ियां बिखेर रहे थे। उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और 'माँ वाग्देवी' की प्रार्थना की। एक गुप्त कक्ष में काली दीवार पर लगी एक नक्काशी के नीचे फूलों को 'ओम' के प्रतीक के रूप में सजाया गया था। हिंदुओं का मानना है कि यहां कभी देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित थी।

रविवार को भोजशाल में भव्य पूजा अर्चना का कार्यक्रम चल रहा है। सुबह 6:30 बजे भक्तों ने मां वाग्देवी के चित्र को गर्भग्रह में स्थापित किया। दिनभर हवन-पूजन होगा। धार स्थित भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। लेकिन जमीनी स्तर पर यह आदेश पहले ही प्रभावी होना शुरू हो गया है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इसका समर्थन कर रहे हैं। बहरहाल ऐसे मामलों में दोनों पक्षों को आपसी सद्भाव के साथ थोड़ा दरियादिली दिखाना चाहिए और विवाद को लंबा कानूनी पेचीदगी से बचना चाहिए।

भाकियू (शंकर) के कार्यकताओं ने आदमपुर शिव मंदिर प्रांगण में की मासिक बैठक

ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं पर रखा विचार, कहा समय रहते पूर्ण नहीं होने पर करेंगे आंदोलन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत शिव मंदिर आदमपुर के प्रांगण में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता भोगराज सिंह ने की तथा संचालन शीशपाल ने किया। पंचायत में वक्ताओं ने क्षेत्र की तमाम समस्याओं पर विचार रखते हुए कहा कि जिले की सभी सहकारी समितियां पर 7% ब्याज दर से किसानों से वसूली की जा रही है जबकि अन्य जनपदों में 4% ब्याज की दर से वसूली की जा रही है इस कृत्य से भा०क०यू शंकर में भारी रोष है। विकासखंड गंगेश्वरी में विकासखंड अधिकारी की स्थाई तैनाती की जाए जिससे क्षेत्र के विकास कार्य को गति मिल सके और जनता की समस्याओं का निस्तारण समय से किया जा सके। क्षेत्र में

आवारा पशुओ के द्वारा किसानों की तमाम फसले बर्बाद कर दी गई करोड़ों रुपए लगाने के बाद भी गौशाला शोपीस बनी हुई है। डॉ स्वामीनाथन की रिपोर्ट के अनुसार किसान आयोग का गठन किया जाए। धनपत पुत्र बाबूराम निवासी सुबरा को वहैदरपुर मिश्र निवासी राकेश पुत्र खूबी ने बेरहमी से मारा पीटा था घटना 7 मई की है जिसमें आदमपुर थाने में मुकदमा पंजीकृत है अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है अति शीघ्र उचित कार्रवाई की जाए। गंगेश्वरी क्षेत्र के गांव सिरसा एतमाली से लेकर सिलारा तक हरि बाबा बांध पर कच्चा रास्ता है इस रास्ते से लाखों श्रद्धालु निकलते है कच्चा रास्ता होने के कारण आने जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है उक्त मार्ग का सर्वे कराकर अति शीघ्र पक्का कराया जाए। गंगेश्वरी क्षेत्र की विद्युत कटौती अधिक की जा रही है भा०क०यू शंकर मांग करती है कि किसानों को शेड्यूल के अनुसार रात व दिन मैं विद्युत आपूर्ति की जाये। ग्राम पंचायत भुरावली मढ़ैया में चामुंडा मंदिर के पास बाली रास्ता टूटी-फटी पड़ी है इस रास्ते का सर्वे करा कर रास्ते को पक्का कराया जाए। अपने सभी मांगों को रखते हुए कार्यकताओं ने कहा कि यदि 27 मई तक समय रहते निस्तारण नहीं किया जाता है तो 28 मई को गंगेश्वरी ब्लॉक में धरना प्रदर्शन को मजबूर होना पड़ेगा।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष डॉ योगेंद्र कुमार, शीशपाल सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, कमल ठाकुर कोषाध्यक्ष राकेश कुमार दौरारा मीडिया प्रभारी इंद्रपाल सिंह ,मामराज, रूपकिशोर ,शिव कुमार, भोजराज चरण सिंह गोकल सिंह नेताजी मौजूद रहे।

खरीफ फसलों के लिए किसान भाई भूमि शोधन व बीज शोधन करने के बाद ही करें बुवाई

कृषकों के लिए खुशखबरी: ट्राइकोडर्मा और ब्यूवेरिया बेसियाना का करें उपयोग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने खरीफ की फसलों की बुआई के समय में किसान भाइयों को सलाह दी है कि वे बीज शोधन और भूमि शोधन करके ही बुआई करें। इसके लिए ट्राइकोडर्मा हरजेनियम और ब्यूवेरिया बेसियाना जैसे बायो एजेंट्स का उपयोग करना फायदेमंद होगा। ट्राइकोडर्मा हरजेनियम एक फफूँद पर आधारित जैविक फफूँदीनाशक है, जो विभिन्न प्रकार की फसलों, फलों एवं सब्जियों में जड़ सड़न, तना सड़न,

डैम्पिंग ऑफ, उकठा, झुलसा आदि फफूँदी जनित रोगों में लाभप्रद है। ब्यूवेरिया बेसियाना एक फफूँद पर आधारित जैविक कीटनाशक है, जो विभिन्न प्रकार के फसलों, फलों एवं सब्जियों में लगने वाले फली भेदक, पत्ती लपेटक, पत्ती खाने वाले कीट, चूसने वाले कीटों, भूमि में दीमक एवं सफेद गिडार आदि की रोकथाम के लिये लाभकारी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, ट्राइकोडर्मा हरजेनियम और ब्यूवेरिया बेसियाना का उपयोग करने से फसलों की उत्पादकता बढ़ती है और कीटों और रोगों से बचाव होता है। इसके अलावा, ये बायो एजेंट्स पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित हैं। कृषक भाई इन बायो एजेंट्स का उपयोग करने के लिए अपने नजदीकी कृषि केंद्र या कृषि विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं।

इफको द्वारा गांव अटेरना में किसान सभा का आयोजन

ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं पर रखा विचार, कहा समय रहते पूर्ण नहीं होने पर करेंगे आंदोलन

अमरोहा (सब का सपना): इफको द्वारा गांव अटेरना में किसान सभा का आयोजन किया गया। सभा में उप महाप्रबंधक ब्रजवीर सिंह ने दानेदार उर्वरकों से होने वाली हानियों के बारे में जानकारी देते हुए नैनो उर्वरकों की प्रयोगविधि बताई और उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि खाद का संतुलित मात्रा में ही प्रयोग करें, अंधाधुंध खाद का प्रयोग करने से फसल में बीमारी और कीट ज्यादा लगेंगे और फसल की गुणवत्ता भी अच्छी नहीं होती है। इफको क्षेत्राधिकारी प्रवीन सिंह ने

जल में घुलनशील उर्वरकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि इफको का अच्छा उत्पाद एन पी के कंसोर्टिया है, जिसका इस्तेमाल खाद की मात्रा कम करके भी अच्छी पैदावार लेने के लिए किया जा सकता है। यह पूर्णतः ऑर्गेनिक उत्पाद है, जो कार्बनिक खेती के लिए भी सर्वश्रेष्ठ है और भूमि सुधार के सभी तथ्यों पर चर्चा की। सभा की अध्यक्षता कर रहे तारा सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए सभा का समापन किया। सभा में मुख्य अतिथि उप महाप्रबंध महाप्रबंधक ब्रजवीर, इफको क्षेत्राधिकारी प्रवीन, अवधेश गोस्वामी, दीपक, पवन सिंह, प्रगतिशील किसान नरेंद्र सिंग सहित सभा में आए किसान मौजूद रहे।

नवोदय विद्यालय बसेड़ा तगा में एनसीसी के छात्रों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को जनपद के थाना क्षेत्र नौगांवा सादात क्षेत्र के जवाहर नवोदय विद्यालय बसेड़ा तगा में 33 वीं एनसीसी बटालियन के 14 मई से 23 मई तक चल रहे CATC 92 कैंप के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालय गांधी इंटर कॉलेज धनोरा, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज गजरौला, नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज रजबपुर, सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर, जवाहर नवोदय विद्यालय जमुना लाल पीजी कॉलेज श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज कुंदन सिंह पीजी कॉलेज आदि कॉलेजो से आए हुए 600 छात्रों को यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह अमरोहा यातायात उप निरीक्षक विनोद कुमारवाजपेई यातायात मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार आरक्षी मनीष कुमार व यातायात आरक्षी मोहम्मद शौकीन द्वारा छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया। इस दौरान सभी छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई व यातायात संचालन करने में प्रयोग होने वाले यातायात उपकरणों के बारे में जैसे लेजर स्पीड राडार गन बर्थ इन लाइजर डेसिबल मीटर बेटन लाइट लाइट फ्लोरोसेंट जैकेट आदि के बारे में भी जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई। इस अवसर पर एनसीसी के करनल गौतम सूबेदार मेजर यशपाल सिंह व सूबेदार मेजर ज्ञान सिंह 33 वीं NCC वाहिनी बटालियन जोया अमरोहा उपस्थित रहे और एनसीसी के अधिकारीयो द्वारा यातायात पुलिस को मोमेंटो देकर यातायात पुलिस टीम को सम्मानित किया गया। इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी यातायात पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु किए जाते रहेंगे।

मंडी धनौरा में विवाहिता से मारपीट व जान से मारने की धमकी के मामले में चार पर केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में विवाहिता से मारपीट करने एवं उसे जान से मारने की धमकी देने के मामले में पति ससुर एवं दो जेठ सहित चार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर धनौरा पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले में पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक मंडी धनौरा के मोहल्ला महादेव निवासी 29 वर्षीय लोकेश

रानी पत्नी तेजपाल ने बताया कि ससुराल पक्ष द्वारा उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता था। पीड़िता के अनुसार, 11 मई 2025 की शाम करीब 05:30 बजे से 13 मई 2026 की सुबह 09:00 बजे के बीच आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।शनिवार, 16 मई 2026 को पीड़िता लोकेश रानी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति तेजपाल पुत्र रमेश सिंह, ससुर रमेश सिंह पुत्र कलुवा सिंह, और दो जेठ संजीव कुमार पुत्र रमेश सिंह व कैलाश पुत्र रमेश सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सभी आरोपी मंडी धनौरा के मोहल्ला महादेव के निवासी हैं।मंडी धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच उप-निरीक्षक रवि कुमार को सौंपी गई है। पुलिस साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रामगंगा पोषक नहर में नहाने गया किशोर डूबा,तेज बहाव के कारण हुआ हादसा,गोताखोर कर रहे तलाश

साइफन पर नहाने उतरा था किशोर,तेज लहरों ने बहाया

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा की रामगंगा पोषक नहर में नहाने के लिए पहुंचा एक किशोर पानी के तेज बहाव में डूब गया। यह हादसा गांव शाहपुर रझेड़ा के पास हुआ। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसडीएम की मौजूदगी में गोताखोर नहर में डूबे किशोर की लगातार तलाश कर रहे हैं। मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अन्य ग्रामीणों की भी भीड़ लगी हुई है। बता दें कि मंडी धनौरा क्षेत्र में रविवार को गांव शाहपुर रझेडा के पास रामगंगा पोषक नहर में नहाने गया एक 17 वर्षीय किशोर पानी के तेज बहाव में बहकर डूब गया। किनारे खड़े लोग जब तक कुछ समझ पाते या उसे बचाने की कोशिश करते, वह गहराई में जाकर आंखों से ओझल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे भारी पुलिस बल के साथ मौके पर हैं और गोताखोरों की मदद से नहर में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक शाहपुर रझेडा गांव के रहने वाले जसरुद्दीन सैफी का 17 वर्षीय बेटा तसव रविवार को गांव के ही पास स्थित रामगंगा पोषक नहर के साइफन पर नहाने के लिए गया था। इन दिनों नहर में पानी का बहाव अत्यधिक तेज है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तसव जैसे ही नहाने के लिए पानी में उतरा, वह तेज धार के बीच अपना संतुलन नहीं संभाल सका। गहराई ज्यादा होने और बहाव तेज होने के कारण वह पलक झपकते ही पानी में बहने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे डूबता देख शोर मचाया, लेकिन कोई उसे बचा नहीं सका।किशोर के डूबने की खबर गांव में आग की तरह फैल गई और नहर किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की नजाकत को देखते हुए एसडीएम मंडी धनौरा शैलेश कुमार दुबे पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और तुरंत स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर नहर में तलाशी अभियान शुरू कराया। समाचार लिखे जाने तक गोताखोर नहर का चप्पा-चप्पा खंगाल रहे थे, लेकिन किशोर का कोई सुराग नहीं मिल सका था।इस घटना के बाद से तसव के घर में कोहराम मचा हुआ है। मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि जसरुद्दीन सैफी के दो बेटे और दो बेटियां हैं,

जिनमें तसव सबसे बड़ा था। हादसे के वक्त दुर्भाग्य से तसव के पिता जसरुद्दीन किसी काम के सिलसिले में बिहार के दिलदारनगर गए हुए थे। जब उन्हें फोन पर घर से यह दुखद खबर मिली, तो वह बदहवास हो गए और तुरंत वापसी की ट्रेन पकड़कर गांव के लिए रवाना हो गए हैं। पूरे गांव में इस दर्दनाक हादसे से शोक की लहर है।

अवैध तरीके से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर की आड़ में भ्रूण लिंग जांच का हो रहा था कारोबार

हरियाणा व स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने की छापामारी, हुआ खुलासा, दो गिरफ्तार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में अवैध तरीके से चल रहे अल्ट्रासाउंड की आड़ में चल रहे भ्रूण लिंग कि जांच की जा रही थी। जिस पर हरियाणा व स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में मुख्य आरोपी डॉक्टर और एक अन्य महिला अल्ट्रासाउंड मशीन लेकर मौके से फरार हो गए। बता दें कि मंडी धनौरा क्षेत्र में अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर की आड़ में चल रही भ्रूण लिंग जांच पर हरियाणा के सोनीपत की स्वास्थ्य टीम और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, मुख्य आरोपी डॉक्टर और एक अन्य महिला अल्ट्रासाउंड मशीन

लेकर फरार होने में कामयाब रहे। मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनीपत सिविल हॉस्पिटल की टीम को सूचना मिली थी कि क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को लिंग जांच के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर टीम ने गिरोह को पकड़ने के लिए एक फर्जी मरीज (डिकोय) तैयार किया। दलालों से पहले मेरठ और फिर गजरौला में बातचीत हुई। अंततः 32 हजार रुपए में सौदा तय हुआ, जिसमें से 22 हजार रुपए अग्रिम भुगतान के तौर पर दिए गए। टीम पीछा करते हुए मंडी धनौरा पहुंची। धनौरा में गिरोह की सदस्य अलका और नीलम (बागपत निवासी) दलाल महिला को लेकर पहुंचीं। बाइक सवार रोहित नामक युवक महिला को डिग्री कॉलेज के पास स्थित अवैध परीक्षण केंद्र पर ले गया, जहां लिंग जांच की गई। टीम को इशारा मिलते ही छापेमारी कर दी गई। पुलिस ने मौके से बाइक सवार रोहित और महिला दलाल नीलम को गिरफ्तार किया। उनके पास से 18,000 रुपए नकद बरामद हुए। केंद्र संचालक डॉ. गौरव उर्फ रवि और गिरोह की मुख्य सदस्य अलका 4,000 रुपए और अल्ट्रासाउंड मशीन लेकर फरार होने में सफल रहे। इस छापेमारी को सोनीपत के पीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. योगेश दहिया और डॉ. अनमोल परुथी की टीम ने अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान अमरोहा स्वास्थ्य विभाग से जसकरन गंगवार और नायब तहसीलदार राजपाल सिंह मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद रहे। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

लूट की घटना में फरार दो आरोपी को अमरोहा पुलिस ने किया गिरफ्तार

कब्जे से दो पीली धातु के कुंडल, दो अवैध तमंचे,चार जिंदा कारतूस व घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना अमरोहा देहात पुलिस ने लूट की घटना में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से लूट की घटना से संबंधित दो पीली धातु के कुंडल, दो अवैध तमंचे 315 बोर, चार जिंदा कारतूस 315 बोर एवं घटना में प्रयोग की गई एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। बता दें कि अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपद भर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना अमरोहा देहात पुलिस, एसओजी एवं सर्विलांस टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। जिसमें थाना अमरोहा देहात पर पंजीकृत मुकदमे से

संबंधित लूट की घटना में फरार आरोपी पप्पू उर्फ फौजी पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी ग्राम भाईया नगला थाना पटवई जनपद रामपुर हाल पता मोहल्ला बलदेवपुरी थाना कटघर जनपद मुरादाबाद एवं अमन उर्फ शहजाद उर्फ शहजादा कलंदर पुत्र यासीन निवासी असीलपुर थाना किठौर जनपद मेरठ हाल पता ग्राम सैफपुर फिरोजपुर थाना बहसूमा जनपद मेरठ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से लूट की घटना से संबंधित दो पीली धातु के कुंडल दो, अवैध तमंचे 315 बोर, चार जिंदा कारतूस 315 बोर एवं घटना में प्रयोग की गई एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। इस मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अपराध से संबंधित धाराओं में अग्रिम कार्यवाही की गई है।

गजरौला में पृथ्वीराज चौहान जयंती के अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन,भाजपा नेता ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती के अवसर पर नगर में एक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और शोभायात्रा को बड़ी ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ संपूर्ण नगर में निकाला गया। शोभायात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया। बता दें कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा को नगर के मुख्य मार्गो से होकर निकाला गया। नगर में जगह-जगह लोगों ने

शोभायात्रा में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जिसमें विशेष रूप से भाजपा नेता विपिन सागर ने शोभायात्रा में पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। पुष्प वर्षा के उपरांत विपिन सागर ने कहा कि कोई महापुरुष किसी जाति विशेष का नहीं होता, महापुरुषों को याद कर हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को उनके शौर्य और पराक्रम की गाथा को सुनकर और बात कर अपने देश को गौरवान्वित करने का दायित्व हमेशा बनाए रखना होगा। यात्रा के दौरान डीजे की धुन पर लोग नाचते गाते हुए आगे बढ़ रहे थे ,हाथों में भगवा ध्वज लिए लोग सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जयकारे लगा रहे थे जिससे पूरा नगर गूंज उठा। वहीं यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया।इस अवसर पर सुशील सैनी ,भास्कर चौहान ,योगेश चौधरी ,अक्षय शुक्ला, नदीम सैफी ,शुभम सिंघल, अजय सागर ,रामपाल सिंह व्यास ,नवनीत सिंह, हरिओम कुमार ,रीतिका, पंकज भटनागर ,ललित कुमार ,दीपू सागर ,कपिल भटनागर सहित समाज के गणमान्य लोग एवं युवा वर्ग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उपभोक्ता ने जीती अपने हक की लड़ाई, बीमा कंपनी को भुगतान के आदेश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- चंदौसी निवासी निखिल शर्मा ने उपभोक्ता आयोग में अपने हक की लड़ाई जीतते हुए बीमा कंपनी के खिलाफ फैसला अपने पक्ष में कराया है। निखिल शर्मा पेशे से अधिवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि 12 मई 2025 को वह अपने एक मित्र के यहां आवास विकास कॉलोनी जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही बुलेट मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिर पड़े और बुलेट चालक मौके से फरार हो गया। घटना में मामूली चोटें आने के कारण उन्होंने घर पर ही उपचार कराया। वहीं क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर पर दिखाकर इंश्योरेंस कंपनी को सूचना दी गई। सर्वेयर द्वारा वाहन का सर्वे कर एस्टीमेट मांगा गया, लेकिन एस्टीमेट देने के बाद भी बीमा कंपनी ने क्लेम निरस्त कर दिया। इसके बाद निखिल शर्मा ने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया। उनकी ओर से उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया गया। आयोग में सुनवाई के दौरान बीमा कंपनी ने दावा खारिज करने का आधार बताते हुए कहा कि परिवादी के पास ड्राइविंग लाइसेंस, घटना के फोटोग्राफ, इंजरी रिपोर्ट और एफआईआर जैसी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

इस पर अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय ने आयोग को बताया कि हादसे के समय घायल व्यक्ति का पहला उद्देश्य इलाज कराना होता है, न कि फोटोग्राफी करना। चोटें गंभीर न होने के कारण परिवादी अस्पताल नहीं गया और घर पर ही दवाइयों से उपचार कराया। साथ ही घटना के समय मोटरसाइकिल उनका मित्र चला रहा था, जिसका ड्राइविंग लाइसेंस आयोग में प्रस्तुत किया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आयोग ने फैसला परिवादी निखिल शर्मा के पक्ष में सुनाया।

आयोग ने विपक्षी बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया कि वह मोटरसाइकिल मरम्मत की राशि 19,928 रुपये परिवाद दायर होने की तिथि से 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित दो माह के भीतर अदा करे।

इसके अलावा आयोग ने बीमा कंपनी को मानसिक कष्ट एवं आर्थिक हानि के लिए 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपये अतिरिक्त देने के आदेश भी दिए। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि तय समय सीमा में भुगतान न करने पर ब्याज दर 9 प्रतिशत वार्षिक देय होगी।

गंगा स्नान को जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में गिरी, कई घायल

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव कुंवरपुर निवासी श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली रविवार को अनूपशहर गंगा स्नान के लिए जाते समय हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि गांव बहरौली के पास ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंदी में जा गिरा, जिससे ट्रॉली में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग समेत कई लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार दिया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया। घायलों में प्रशांत पुत्र रामनिवास (11 वर्ष), जबर सिंह पुत्र खेमकरन (50 वर्ष), सत्यवती पत्नी महावीर (48 वर्ष), नवाब सिंह पुत्र सोहन (52 वर्ष), लाखन पुत्र जयपाल (45 वर्ष), वीर सिंह पुत्र किशन (60 वर्ष), ऋषिपाल पुत्र पौलेंडर (35 वर्ष), सोरन पुत्र रामप्रसाद, अर्पित पुत्र ऑफिसर (13 वर्ष) तथा जयमंती पत्नी मुलायम सिंह (60 वर्ष) शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ है।

एडीएम प्रदीप वर्मा को भावभीनी विदाई, अधिकारियों ने साझा किए अनुभव

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में शनिवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा के लखनऊ में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पद पर स्थानांतरण होने पर भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा प्रदीप वर्मा को पुष्पगुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करने के साथ हुआ। इसके बाद अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कलक्ट्रेट कर्मचारियों ने पुष्प भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। विदाई समारोह में जिला विकास अधिकारी राम आशीष, उपजिलाधिकारी गुन्नौर विकास चन्द्र, उपजिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर रामानुज, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई एवं जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने प्रदीप वर्मा के साथ कार्यकाल के दौरान जुड़े अनुभव साझा किए।

वक्ताओं ने कहा कि प्रदीप वर्मा ने अपने कार्यकाल में प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया। उन्होंने जनहित से जुड़े मामलों में सदैव सक्रिय भूमिका निभाई और अपने सौम्य व्यवहार एवं कार्यशैली से सभी के बीच विशेष पहचान बनाई। अधिकारियों ने कहा कि उनके कार्यों की छाप जनपद में लंबे समय तक स्मरणीय रहेगी।

अपने संबोधन में प्रदीप वर्मा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सम्भल जनपद में बिताए गए अनुभवों एवं यादगार पलों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जनपद में उन्हें सदैव सहयोग, आत्मीयता और सम्मान मिला, जिसे वह जीवनभर याद रखेंगे। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रदीप वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश

सम्भल (सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील सम्भल सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक मामले को गंभीरता के साथ लेते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सुना और संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी शिकायती प्रार्थना पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण निचले स्तर पर ही किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उपजिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में चलाया गया यातायात जागरूकता अभियान

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में कस्बा चंदौसी स्थित शनिवार को सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह, मुख्य आरक्षी सचिन कुमार, आरक्षी बीनू एवं संकित कुमार ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने स्कूली बच्चों को यातायात नियमों एवं सड़क संकेतों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क संकेत मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं आदेशात्मक, चेतावनी सूचक एवं सूचनात्मक। यदि सभी लोग इन संकेतों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी लाई जा सकती है। बच्चों को चौराहों पर लगे ट्रैफिक सिग्नलों के महत्व के बारे में भी बताया गया तथा सड़क पर सुरक्षित तरीके से चलने के लिए जागरूक किया गया। छात्रों को समझाया गया कि पैदल यात्री फुटपाथ का उपयोग करें तथा सड़क पार करते समय दाएं-बाएं देखकर ही पार करें। साथ ही स्कूल आते-जाते समय निर्धारित स्थान पर ही वाहन से उतरने और चढ़ने की सलाह दी गई। यातायात पुलिस ने बच्चों को बताया कि विद्यार्थी जीवन अनुशासन से भरा होता है और यदि यातायात नियमों को भी अनुशासन का हिस्सा बनाकर अपनाया जाए तो दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम में घायल व्यक्तियों की मदद करने के लिए भी छात्रों को प्रेरित किया गया तथा राह-वीर योजना की जानकारी विस्तार से दी गई।

अंत में स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई और सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा का नारा लगवाया गया। पुलिस कर्मियों ने बच्चों से कहा कि जीवन अनमोल है और आप देश का भविष्य हैं, इसलिए यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में छह परिवारों में हुआ समझौता, 20 मामलों का निस्तारण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार रावत के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन बहजोई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी डॉ. रूकमपाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के मध्य चल रहे आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलिंग के दौरान कुल 74 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 20 मामलों का निस्तारण किया गया। काउंसलिंग के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच समझौता कराकर छह परिवारों को मिलाया गया। वहीं चार मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इसके अतिरिक्त 10 पत्रावलियां आवेदक अथवा आवेदिका के काउंसलिंग में उपस्थित न होने तथा मामले में रुचि न लेने के कारण बंद कर दी गईं।

इस अवसर पर

काउंसलर लवमोहन वार्ष्णेय, संगीता भार्गव, कंचन माहेश्वरी, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत एवं महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रीमती सुखदेवी इण्टर कॉलेज में सेवा निवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह

अमरोहा (सब का सपना):- उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में श्रीमती सुखदेवी इण्टर कॉलेज हसनपुर में सेवा निवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि संगठन के प्रदेशीय मंत्री डॉ0 जी0 पी0 सिंह, प्रधानाचार्य जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष स0 गुरनाम सिंह, प्रधानाचार्य सिख इण्टर कॉलेज नारंगपुर ने की।

संगठन द्वारा आज 31 मार्च 2026 को सेवा निवृत्त हुए राजकीय और सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शिक्षकों को प्रशस्तिपत्र, शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर उनकी उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने बहुत सुन्दर सरस्वती वंदना और स्वागत गान प्रस्तुत किया।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार ने कहा कि शिक्षक संघ शर्मा गुट की यह बहुत अच्छी परम्परा है, जो राजकीय और माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यो और शिक्षकों को एक अच्छे और बड़े कार्यक्रम के माध्यम से सम्मानित करते है। जनपद का संगठन बधाई का पात्र है। सेवा निवृत्त शिक्षकों के लिए कहा कि शिक्षक जीवन की नई पारी शुरू कर रहे हैं, शिक्षा और विद्यालयों से जुड़े रहें और समाज को दिशा देने का काम करते रहें।

संगठन के प्रदेशीय मंत्री डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता है। एक शिक्षक ही है जो सेवा से निवृत होने के बाद भी युवा पीढ़ी और समाज को नई दिशा देने का काम करता है। आज संगठन द्वारा नौ शिक्षक और प्रधानाचार्यों को शॉल, प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले, राजकीय के प्रधानाचार्य देवेन्द्र प्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह, पूनम वर्मा, सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों से घुरहू राम, जय बिन्दर सिंह, डॉ0 हुसैन बिन अली, रंजीत कौर, समोद त्यागी तथा तेजपाल सिंह थे।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज शिक्षकों ने पूरी एकजुटता का परिचय देते हुए इतनी भीषण गर्मी में सैकड़ों की तादात में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आगामी दिनों में भी हम सभी एकजुटता के साथ बड़ी से बड़ी समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी अतुल शर्मा ने कहा कि संगठन ने आज जो अपनी ताकत का एहसास कराया है, ये जुनून ही पुरानी पेंशन सरकार से दिलाएगी। जो कि हमारा हक है।

महामंत्री बालक राम और कोषाध्यक्ष के0 पी0 सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के लिए श्रीमती सुखदेवी इण्टर कॉलेज हसनपुर के प्रधानाचार्य महिपाल सिंह और उनके समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में चार चांद लगा दिए, सभी ने बहुत निष्ठा के साथ मेहनत की।

मेजबान प्रधानाचार्य महिपाल सिंह और उनके शिक्षकों ने सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ0 वी0 के0 शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 धर्म सिंह, डॉ0 जमशेद कमाल, चारु शर्मा, प्रेम वीर त्यागी, डी0 पी0 अग्रवाल, श्याम धर पाल, डॉक्टर सिद्धार्थ पांडे, वीरपाल, कमर अब्बास नकवी, सतीश कुमार, हसनैन नवाज, हरिओम शर्मा, तेज सिंह, शीशपाल सिंह, दीपक, आमोद गहलोत,भूकन सिंह, बृजपाल सिंह, आनंद चहल, खजान सिंह, राजवीर सिंह, महेंद्र सिंह, का कावेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, रुकने आलम, रामबहादुर सिंह, फरहत नर्जिस, डॉ0 प्रतिभा यादव, ममता अग्रवाल, विजय कौर ,रेखा सिंह, राम इंदल सिंह, महेश कुमार, कुमकुम शर्मा, सुनीता सिंह, ललित सारस्वत, छवि रस्तोगी, भगवान दास, अवधेश त्यागी, नरेश सिंह, वरुण कुमार, प्रीति चौधरी, नासिर अली, आभा, संदीप कुमार, मूलचंद कुमार, प्रवेंद्र कुमार, दीप्ति, जगदीश सिंह, जयदेव चौहान, शिवराज सिंह आदि शिक्षक भारी संख्या में मौजूद थे।

स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा मुख्यमंत्री आरोग्य मेला, मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 253वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित मेले में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आरोग्य मेले में 34 चिकित्सकों एवं 131 पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2843 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया गया। इनमें 1210 पुरुष, 1145 महिलाएं तथा 488 बच्चे शामिल रहे। मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत 131 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मेले में बुखार के 212, चर्म रोग के 367, दमा के 291, मधुमेह के 87, नेत्र रोग के 34 तथा उच्च रक्तचाप के 103 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य सामान्य रोगों के मरीजों को भी परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। बुखार से संबंधित मरीजों की जांच के तहत 20 लोगों की मलेरिया तथा 7 मरीजों की डेंगू जांच की गई। सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर बनाए गए थे। वहीं जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत 211 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श भी दिया गया।आरोग्य मेले में 39 मरीजों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मेले का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया।

1000 दो और नकल करो, बिजनौर के डिग्री कॉलेज पर एग्जाम माफिया चलाने का आरोप

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं की निष्पक्षता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नीट पेपर लीक प्रकरण की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि बिजनौर जिले के धामपुर तहसील क्षेत्र स्थित एक डिग्री कॉलेज में नकल कराने और उसके बदले पैसे वसूलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि कॉलेज में खुलेआम ह्लपैसा दो, नकल लोह्व का खेल चल रहा था। मामला ग्राम शहजादपुर स्थित बाबू ईश्वरी प्रसाद रावल मेमोरियल डिग्री कॉलेज का है, जहां बीए द्वितीय वर्ष की परीक्षा के दौरान छात्रों से कथित रूप से प्रति छात्र ड्ड1000 लेकर नकल कराए जाने का आरोप लगा है। नगीना निवासी छात्र अनुज शर्मा ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र पर नकल कराने के लिए छात्रों से अवैध वसूली की जा रही थी। अनुज के अनुसार उससे भी ड्ड1000 मांगे गए, लेकिन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े होने के कारण उसने पैसे देने से इनकार कर दिया। छात्र का आरोप है कि विरोध करने पर कॉलेज प्रशासन ने उसे अलग कमरे में बैठाकर परीक्षा दिलाने की बात कही और उसके साथ मारपीट भी की गई। घटना की जानकारी मिलते ही एबीवीपी कार्यकताओं और पदाधिकारियों में आक्रोश फैल गया। सूचना पर बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में धामपुर पहुंचकर संगठन के कार्यकताओं ने कॉलेज प्रशासन का पुतला फूंका तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। एबीवीपी के प्रदेश सह मंत्री हनी अहलावत ने कहा कि यदि शिक्षा संस्थानों में ही भ्रष्टाचार और नकल माफिया हावी रहेंगे तो मेहनत करने वाले छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और छात्र संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सिद्ध बाबा नीम खाल मंदिर पर वार्षिकोत्सव, भंडारे में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

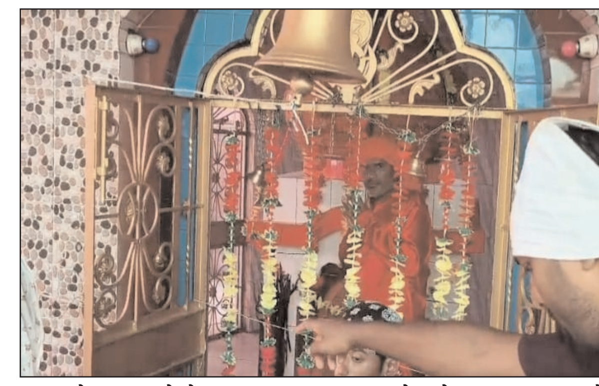

बिजनौर (सब का सपना):- थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के ग्राम तुरतपुर स्थित प्राचीन सिद्ध बाबा नीम खाल मंदिर में वार्षिकोत्सव एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार रहा। दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने सिद्ध बाबा के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि यह मंदिर कई वर्षों पुराना है और यहां सच्चे मन से पूजा करने पर इच्छाएं पूर्ण होती हैं। वार्षिकोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। ग्राम प्रधान सुरेंद्र सिंह, मंदिर पुजारी पिंटू बाबा एवं सेवादार बलजीत कौर ने बताया कि हर वर्ष यहां श्रद्धा और भक्ति के साथ वार्षिकोत्सव मनाया जाता है, जिसमें क्षेत्र के अलावा अन्य जनपदों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

बैराज रोड पर दो ट्रकों की भीषण भिड़ंत, चालक की मौके पर मौत

बिजनौर (सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के बैराज रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने शुक्रवार को दो ट्रकों की आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक ट्रक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक चालक की पहचान रविन्द्र पुत्र लाला राम निवासी शाहपुर बालियान, फरीदपुर (बरेली) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों ट्रकों की टक्कर इतनी तेज थी कि वाहनों के अगले हिस्से में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक चालक ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गया, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे घायल चालक को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर कोतवाली शहर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

शेरकोट पुलिस का बड़ा खुलासा, लूट के आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थाना शेरकोट पुलिस ने हरेवली क्षेत्र में हुई लूट और मारपीट की घटना का बड़ा खुलासा करते हुए आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। बताया जा रहा है कि तीन दिन पूर्व हरेवली क्षेत्र में अस्पताल से लौट रहे बाइक सवार युवकों को बदमाशों ने रोककर मारपीट की थी और उनकी बाइक व मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। मामले के खुलासे के लिए पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान पुलिस को संदिग्ध बदमाशों की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने मौके से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से लूटी गई बाइक, मोबाइल और अवैध हथियार बरामद किए हैं। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना के त्वरित खुलासे और कार्रवाई को लेकर नगरवासियों ने शेरकोट पुलिस की सराहना की है। क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता की चर्चा हो रही है

और लोगों ने इसे अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश बताया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

चांदपुर के युवक की सऊदी अरब में मौत

तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में तोड़ा दम

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के चांदपुर से रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब गए एक युवक की रियाद में मौत हो गई। युवक की 29 मई को शादी होनी थी और वह 25 मई को भारत लौटने वाला था। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। नगर चांदपुर के मोहल्ला चाहसंग निवासी फरहान पुत्र रईस अहमद अपने भाई जीशान के साथ काफी समय से सऊदी अरब के रियाद में रहकर काम करता था। परिजनों के अनुसार दो दिन पहले फरहान की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया कि उपचार के दौरान ही फरहान की मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना जैसे ही परिजनों को मिली, घर में चीख-पुकार मच गई। मोहल्ले में भी शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के लोगों ने बताया कि फरहान की शादी आगामी 29 मई को तय थी। शादी की तैयारियां चल रही थीं और वह 25 मई को घर लौटने वाला था। घर में शादी को लेकर खुशियों का माहौल था, लेकिन अचानक आई इस दुखद खबर ने पूरे परिवार को तोड़ दिया।

फरहान की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदार और आसपास के लोग परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे है। मोहल्ले में भी मातम पसरा हुआ है।

खूंखार तेंदुआ वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में मुर्गी के लालच में हुआ कैद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर की चांदपुर रेंज के इस्माइलपुर गांव स्थित डायट परिसर में रविवार सुबह एक खूंखार तेंदुआ वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। बताया जा रहा है कि तेंदुआ मुर्गी के शिकार के लालच में पिंजरे के अंदर घुसा था। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों और स्कूल प्रशासन के अनुसार, पिछले कई दिनों से डायट परिसर और आसपास के इलाके में तेंदुए की आवाजाही देखी जा रही थी। इससे स्थानीय लोगों और स्कूल स्टाफ में दहशत का माहौल बना हुआ था। मामले की सूचना वन विभाग को दी गई थी, जिसके बाद विभाग ने परिसर में पिंजरा लगाया था। वन विभाग के अनुसार रविवार तड़के तेंदुआ शिकार की तलाश में निकला था। पिंजरे में रखी मुर्गी की गंध पाकर वह अंदर घुस गया और कैद हो गया। सुबह जब ग्रामीणों ने पिंजरे में तेंदए को देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई। वन रेंजर दुष्यंत सिंह ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ वयस्क है और उसकी उम्र करीब 6 से 7 वर्ष आंकी गई है। उन्होंने कहा कि मेडिकल परीक्षण कराने के बाद अधिकारियों के निदेर्शानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रत्यक्षदशियो के मुताबिक पिंजरे में कैद तेंदुआ लोगों को देखकर जोर-जोर गुरांने लगा। उसकी आवाज और आक्रामक तेवर देखकर लोग सहम गए।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को सुरक्षित रेंज कार्यालय ले गई। गुलदारों की सख्या मौटे तोर जनपद में एक हजार से अधिक मानी जा रही है`गौर तलब है कि जनपद बिजनौर में एक सप्ताह के दौरान चार गुलदार वन विभाग के पिजरें में कैद हो चुकें हैं` रेस्क्यू टीम में रेंजर दुष्यंत सिंह, वन दरोगा मुकुल त्यागी, वन दरोगा हिमांशु, फॉरेस्ट गार्ड गौरव कुमार और वनकर्मी मोहम्मद अनीस शामिल रहे।

अफजलगढ़ में संविधान संवाद सम्मेलन का भव्य आयोजन, संविधान संरक्षण का लिया संकल्प

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्र के अफजलगढ़ में आयोजित संविधान संवाद सम्मेलन रविवार को भव्य एवं ऐतिहासिक माहौल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और संविधान, सामाजिक न्याय तथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय राय तथा राष्ट्रीय सचिव एवं सह-प्रभारी श्री प्रदीप नरवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन की स्थानीय स्तर पर तैयारियों और संचालन में शहर अध्यक्ष हुमायूं बेग की सक्रिय भूमिका रही, जिसकी नेताओं ने सराहना की। स्योहारा के नासिर चौधरी, रिफाकत चौधरी, आदि ने स्वागत किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने देश के वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों और संविधान की मूल भावना को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय और अधिकार दिलाना ही संविधान का मूल उद्देश्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, प्रबुद्ध नागरिकों, किसानों और बुजुर्गों की भागीदारी देखने को मिली। नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जनता की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। सम्मेलन के दौरान संविधान की रक्षा, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक अधिकारों को मजबूत करने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

कांग्रेस नेताओं ने कार्यक्रम की सफलता के लिए क्षेत्र की जनता और पार्टी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रम समाज में जागरूकता और लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

पत्नी के मायके जाने के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम पाठकपुर में शनिवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बिपिन पुत्र मित्रपाल (25) निवासी ग्राम पाठकपुर थाना बहजोई अपने घर में फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों एवं ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद पत्नी अपने मायके चली गई थी।

शनिवार शाम घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड से मिलेगी नि:शुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन

अमरोहा (सब का सपना):- उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, (ग्रामोद्योग अनुभाग), लखनऊ द्वारा जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष-2026-27 में ग्रामीण क्षेत्र में पॉपकार्न बनाने वाले भुर्जी समाज के परम्परागत कारीगर एवं इस उद्योग में रूचि रखने वाले व्यक्तियों के लिये 08 पापकार्न मेकिंग मशीन निःशुल्क प्रदान करने के लक्ष्य निर्धारित किये गये है। निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन प्राप्त करने के इच्छुक परम्परागत स्वरोजगार में रूचि रखने वाले ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा अपना आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट www.upkvib.gov.in पर लॉग-इन कर "टूल किट आवंटन हेतु ऑनलाइन पंजीकरण" का चयन कर आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है। आवेदन के साथ नवीनतम फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, राशन कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति अपलोड करना आवश्यक है। आवेदन हेतु आवेदक ग्रामीण क्षेत्र का निवासी हो तथा उसकी आयु 18 से 50 वर्ष तक हो । ऑनलाइन आवेदनकर्ता/कारीगरों का चयन निर्धारित चयन समिति द्वारा निर्धारित मापदण्डों में अधिकतम प्राप्त अंको के आधार पर किया जायेगा।

अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, निकट रेलवे स्टेशन, अमरोहा, जनपद अमरोहा से सम्पर्क किया जा सकता है।

ओबीसी बेरोजगार युवकों-युवतियों के लिए ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना, आवेदन शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश शासन, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा बेरोजगार अन्य पिछड़ा वर्ग के युवक-युवतियों के लिए ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट (NIELIT) से मान्यता प्राप्त संस्थाएं इस योजना के तहत प्रशिक्षण करा सकती हैं। इच्छुक मान्यता प्राप्त संस्थाएं दिनांक 20 मई 2026 से 03 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन विभागीय वेबसाइट backwardwelfareup.gov.in/obccomputertraining.upsdc.gov.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन के साथ आवश्यक अभिलेख, आधारभूत ढांचे का विवरण एवं नोटरी शपथ-पत्र अपलोड करना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन भरने के बाद उसकी हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी समस्त दस्तावेजों सहित दिनांक 03 जून 2026 सायं 5:00 बजे तक निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, इन्दिरा भवन, लखनऊ या जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय अमरोहा में जमा करानी होगी। आवेदनों की जांच, भौतिक सत्यापन के बाद निदेशक की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा संस्थाओं का चयन किया जाएगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने समस्त पात्र संस्थाओं से अपील की है कि निर्धारित समयसीमा में आवेदन करें। अधिक जानकारी के लिए जिला कार्यालय या विभागीय वेबसाइट देखें।

संविदा विद्युत कर्मी द्वारा गलत सटडाउन लेने से 11 हजार की लाइन से गिरकर गम्भीर रूप से घायल

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- बीती देर रात को बिजली विभाग में शटडाउन के दौरान एक बड़ी चूक के कारण संविदा कर्मचारी गम्भीर रूप से झुलस गया और खम्भे से नीचे गिर गया। जिसके बाद घायल कर्मचारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मौहल्ला लाल दरवाजा निवासी संजू पुत्र अमर सिंह, बिजली विभाग में संविदा कर्मचारी के रूप में कार्यरत है वह 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन पर काम करने के लिए खम्भे पर चढ़ा था काम शुरू करने से पहले उसे लाइन नम्बर एक का शटडाउन लेना था लेकिन गलती से लाइन नम्बर दो का शटडाउन ले लिया गया, जैसे ही संजू ने चालू लाइन नम्बर एक को छुआ उसे जोरदार करंट लगा और वह झटके के साथ नीचे आ गिरा। करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया है। विद्युत संविदा कर्मचारी के साथ हुए इस हादसे की खबर मिलते ही विभाग के उच्च अधिकारी तुरन्त हरकत में आ गए। एसडीओ रामआशीष यादव, और इंजीनियर वीरबहादुर, तुरन्त सरकारी अस्पताल पहुंचे उनके साथ सतीश सैनी, भी अस्पताल पहुंचे और घायल संजू का हालचाल जाना। कर्मचारी की गम्भीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों की सलाह पर उसे तुरन्त सरकारी अस्पताल से रेफर करवा कर नजदीकी प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई। पुलिस ने स्थिति को सम्भाला और घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जब इस सम्बन्ध में बिजली विभाग के एसडीओ रामआशीष यादव, से जानकारी कि गई तो उन्होंने बताया कि संविदा कर्मचारी संजू को बिजली ने पकड लिया था। गलती से उन्होंने गलत शटडाउन ले लिया। फिलहाल संविदा कर्मचारी को भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। आगे उन्होंने कहा कि हम व विभाग संविदा कर्मचारी के साथ खडे है।

भगत सिंह यूनियन द्वारा ऐतिहासिक रोजगार मेले का आयोजन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भगत सिंह यूनियन द्वारा एक विशाल रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर की लगभग 10 से 15 प्रतिष्ठित कम्पनियों ने हिस्सा लिया। इस मेले में सैकड़ों युवक-युवतियों का इंटरव्यू कर 300 से अधिक योग्य युवाओं को मौके पर ही रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। भगत सिंह यूनियन के संस्थापक एवं अध्यक्ष संदीप तेवतिया ने कहा कि

हमारा संगठन निरंतर युवाओं के रोजगार, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए जमीन पर कार्य करता रहेगा। प्रो. भीष्म सिंह ने उपस्थित युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के दौर में युवाओं को अपने कौशल को लगातार विकसित करना चाहिए। इस पूरे रोजगार मेले को सफल बनाने में नीरज फौजदार एवं भगत सिंह यूनियन की पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम में शिकारपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में पहुंचे बेरोजगार युवाओं ने पंजीकरण कराया और इस बेहतरीन अवसर का लाभ उठाया।

देवऋषि नारद जयंती पर संगोष्ठी, पत्रकारिता को बताया समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम

बुलन्दशहर (सब का सपना) चंद्रपाल सिंह:- विश्व संवाद केंद्र मेरठ द्वारा कलश होटल में देवऋषि नारद जयंती एवं हिंदी पत्रकारिता के 200वें वर्ष पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पत्रकारिता को समाज जागरण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुकुल शर्मा ने की, जबकि मुख्य वक्ता पदम जी रहे। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सत्य, संस्कार और सकारात्मक दिशा

देने का दायित्व भी निभाती है।

संगोष्ठी में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना, पर्यावरण, सामाजिक समरसता और राष्ट्र चेतना जैसे विषयों पर विचार रखे गए। देवऋषि नारद के आदर्शों को भारतीय पत्रकारिता का प्रेरणास्रोत बताते हुए निष्पक्ष एवं राष्ट्रहितकारी पत्रकारिता पर बल दिया गया।

कार्यक्रम के समापन पर अजय गोयल, विभाग प्रचार प्रमुख द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकार बंधुओं एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मुख्य रूप से योगेश कुमार एडवोकेट (जिला प्रचार प्रमुख), मनवीर सिंह (सह जिला प्रचार प्रमुख), अखिलेश (जिला प्रचार प्रमुख, अनूपशहर), लोकेश (जिला प्रचार प्रमुख, खुर्जा), राजवीर सिंह, विकास (विभाग प्रचारक), राजेश, विजय एवं अनुतोष सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शनि जयंती पर भावसी में शनिधाम मंदिर में नवग्रहों संग शनिदेव की प्राण प्रतिष्ठा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम भावसी में शनि जयंती के अवसर पर नवग्रहों सहित शनिदेव की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। पंच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों के बाद शनिवार को गांव में डीजे व बैंड-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मां कात्यायनी देवी

मंदिर परिसर स्थित नव निर्मित शनिधाम मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शनिदेव, नवग्रह एवं हनुमान की मूर्तियों की स्थापना की गई। हवन, आरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिवा विजय शर्मा व संजीव शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंदिर महंत बाबा अमरदास सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

गतका एसोसियेशन बुलंदशहर के गोल्ड कप में खिलाड़ियों को किया सम्मानित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- रंजना सिंह ने द्वितीय गतका गोल्ड कप उत्तरप्रदेश राज्य चैम्पियनशिप 2026 में विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम विराट फार्म हाउस में आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेल कौशल का प्रदर्शन

किया।

इस अवसर पर रंजना सिंह ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने आयोजन की सफलता पर एसोसियेशन व आयोजकों को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

तीसरी मंजिल से अचानक गिरी महिला, मौत

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला महादेव में एक दर्दनाक हादसे में 50 वर्षीय महिला की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला अपनी तीसरी मंजिल पर तराई कर रही थी।इस हृदयविदारक घटना से परिवार में कोहराम मच गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार मौहल्ला महादेव के जयप्रकाश अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।उनकी पत्नी

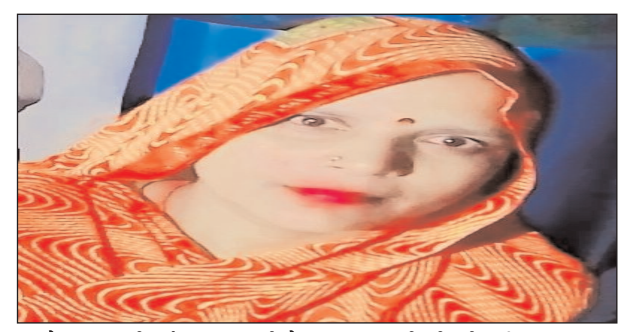

अपने मकान की नई छत पर पानी से तराई कर रही थीं। जयप्रकाश के मकान की तीसरी मंजिल पर एक दिन पूर्व ही लेंटर पड़ा था। इसी लेंटर पर तराई करने के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वह सीधे तीन मंजिल नीचे आ गिरीं। महिला के गिरने का जैसे ही परिजनों को पता चला तो तुरंत उन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनकी गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें अलीगढ़ हायर सेंटर रेफर कर दिया। अलीगढ़ पहुंचने पर डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं महिला की अचानक हुई मौत से हर कोई हैरान है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा खुर्जा में युवा एकत्रिकरण कार्यक्रम आयोजित

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खुरजा नगर द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर में विशाल युवा एकत्रिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शाखा पद्धति के तहत सूर्य नमस्कार, योग, खेल, दण्ड संचालन एवं व्यायाम कराए गए। मुख्य वक्ता विकास ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण, अनुशासन और भारतीय संस्कृति से जुड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण और समाज संगठन के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम का समापन संघ प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें राष्ट्र की उन्नति और समाज की एकता की कामना की।

होशियारपुर में हिरासत से भागे हवालाती व पुलिसकर्मी की हाथापाई का सीसीटीवी आया सामने, चाकू से हमला करता दिखा

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में शनिवार को सिविल अस्पताल के बाहर मेडिकल जांच के लिए लाए गए हवालाती व पुलिस कर्मी के बीच हुई मुठभेड़ की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। सीसीटीवी में आरोपी पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला करता दिखा। बाद में पुलिस करे जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलानी पड़ी। अंत में हवालाती इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान नसीब सिंह निवासी कोटला गौंसपुर के रूप में हुई है। वह नशा तस्करी के मामले में केंद्रीय जेल होशियारपुर में बंद था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शनिवार को नियमित मेडिकल जांच के लिए उसे दो अन्य विचाराधीन कैदियों के साथ सिविल अस्पताल लाया गया था।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मलिक ने बताया कि तीनों कैदियों की सुरक्षा के लिए चार पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। अस्पताल के बाहर वरिष्ठ कांस्टेबल

जसदीप सिंह आरोपी नसीब सिंह को ई-रिक्शा से एंबुलेंस की ओर लेकर जा रहे थे। इसी दौरान आरोपी ने अचानक भागने की कोशिश की।पिस्तौल छीनने के दौरान चली गोली पुलिस के अनुसार जब वरिष्ठ कांस्टेबल जसदीप सिंह ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो नसीब सिंह ने चाकू निकालकर हमला कर दिया। हमले में कांस्टेबल के हाथ, चेहरे और पैर पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने आरोपी को रोकने और हथियार छोड़ने की चेतावनी दी, लेकिन वह लगातार हमला करता रहा। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने पहले जमीन की ओर चेतावनी स्वरूप गोली चलाई। इस दौरान आरोपी और पुलिसकर्मियों के बीच जोरदार हाथापाई भी हुई, जिसमें दोनों जमीन पर गिर पड़े। पुलिस का दावा है कि इसी दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की पिस्तौल छीनने की कोशिश की। हाथापाई के बीच चली गोली नसीब सिंह को जा लगी। गोली लगने के बाद घायल आरोपी को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।पुलिसकर्मी की हालत खतरे से बाहर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मलिक ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के पास चाकू कहां से आया और वह सुरक्षा जांच से कैसे बच गया। घायल पुलिसकर्मी का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जांच की जाएगी। इस घटना के बाद जेल सुरक्षा और हवालातियों की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं।

महाराजा अग्रसेन समिति ने लगाया लस्सी भंडारा

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- पुरुषोत्तम मास के शुभारंभ पर महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव सेवा समिति ने सब्जी मंडी चौराहे पर रविवार को लस्सी भंडारे का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी, सांसद प्रतिनिधि उमेश गुप्ता व सभासद मनमोहन अग्रवाल ने किया। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के प्रत्येक रविवार को इसी तरह लस्सी भंडारा लगाया जाएगा। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के लोगों ने सहयोग किया।

गांधी सभागार कलेक्ट्रेट परिसर अमरोहा में अनुदेशक सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अनुदेशकों के बड़े हुए मानदेय एवं सम्मान समारोह का आयोजन जनपद में गांधी सभागार कलेक्ट्रेट परिसर अमरोहा में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के शिक्षक विधायक डॉ हरि सिंह ढिल्लों, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खडकवंशी, विधायक धनौरा राजीव तरारा उपस्थित रहे। जिन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में उक्त कार्यक्रम किया गया, जिसका सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट अमरोहा में किया गया था। इस अवसर पर जनपद के समस्त 57 अनुदेशकों को अतिथि के तौर पर निमंत्रित किया गया था और सभी अनुदेशकों को प्रतीकात्मक चेक एवं शाल भेंट करके उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नगर क्षेत्र अमरोहा की बालिकाओं के द्वारा सरस्वती वंदना एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अमरोहा ग्रामीण की छात्रों के द्वारा प्रदूषण एवं पर्यावरण पर नाटक का मंचन भी किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ हरि सिंह ढिल्लों ने शिक्षकों से अपने विद्यालय को श्रेष्ठ विद्यालय बनाने का आवाहन किया। विधायक राजीव तरारा ने बच्चों एवं शिक्षकों को पर्यावरण के संबंध में जागरूक रहने एवं पेड़ों को लगाने का आवहन किया।

जमीन का पूरा भुगतान न मिलने पर भड़के किसान, लुधियाना का लाडोवाल टोल करवाया फ्री; प्रशासन ने 5 मिनट में खुलवाया

लुधियाना। लुधियाना के लाडोवाल टोल प्लाजा पर रविवार को किसानों ने अपनी लंबित मुआवजा मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा हसनपुर के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के दौरान किसानों ने पांच मिनट तक टोल प्लाजा को फ्री कर दिया, जिससे गुजरने वाले वाहनों को बिना शुल्क दिए निकाला गया। प्रदर्शन सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर एक बजे तक जारी रहा। इस दौरान किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन की अगुवाई यूनियन के प्रांतीय प्रधान जगरूप सिंह

हसनपुर ने की। उनके साथ करीब 50 से अधिक किसान मौजूद रहे।किसानों का आरोप है कि गांव दाखा, भनोड़, पमाल और आसपास के कई गांवों की जमीन विकास परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की गई थी, लेकिन अब तक किसानों को पूरा मुआवजा नहीं दिया गया। कई किसानों को केवल आंशिक भुगतान मिला है, जबकि कुछ किसानों की पूरी राशि अभी तक लंबित पड़ी है। कब्जा लिया, भुगतान नहीं किया गया

जगरोप सिंह हसनपुर ने कहा कि जब किसानों की जमीन का कब्जा लिया गया था, उसी समय पूरा भुगतान किया जाना चाहिए था। लेकिन प्रशासनिक देरी और लापरवाही के कारण किसान लंबे समय से परेशान हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। किसान नेताओं ने कहा कि खेती ही उनकी आय का मुख्य साधन है। जमीन अधिग्रहण के बाद समय पर मुआवजा नहीं मिलने से कई परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही। मांग पूरी न हुई तो फिर होगा टोल फ्री प्रदर्शन के दौरान उपमंडल अधिकारी कुलदीप बावा भी मौके पर पहुंचे और किसान नेताओं के साथ बातचीत की। किसानों के अनुसार उपमंडल अधिकारी ने उन्हें आठ से दस दिनों का समय मांगा है और भरोसा दिलाया है कि लंबित भुगतान जल्द जारी करवाया जाएगा।

दबंगो ने दबंगई कर एक परिवार पर किया हमला: कई घायल, सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज, दो अभियुक्त गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

हमीरपुर – सदर कोतवाली क्षेत्र के टिकरौली गांव में दबंगों ने एक परिवार पर हमला कर महिलाओं समेत कई लोगों को घर से बाहर खींचकर लाठी-डंडों से जमकर पीट दिया। मारपीट में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित रामबाबू पाल की तहरीर पर सदर कोतवाली में मनोज पाल, विनोद पाल, भरत पाल, उत्कर्ष पाल तथा तीन महिलाओं

समेत कुल सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्त मनोज पाल और भरत पाल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं तीन महिलाओं सहित अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राम आसरे सरोज ने बताया कि गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रमाकांत शुक्ला, हेड कांस्टेबल रजत और कांस्टेबल राहुल राठौर शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुरानी रंजिश में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के थाना सीमापुरी इलाके में पुरानी दुश्मनी ने एक युवक की जान ले ली। दिलशाद कॉलोनी रेड लाइट के पास शुक्रवार देर रात तीन युवकों ने मिलकर अपने ही परिचित युवक पर हमला कर दिया। बीच सड़क पर हुए खूनी हमले में युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के मुताबिक, 16 मई की रात करीब 11 बजे सूचना मिली थी कि दिलशाद कॉलोनी रेड लाइट के पास एक युवक गंभीर हालत में पड़ा हुआ है। एक राहगीर घायल युवक को तुरंत ऋळ्इ हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान जिशान निवासी ताहिरपुर के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि जिशान अपने दोस्त गौरव के साथ सर्विस लेन से गुजर रहा था, तभी स्कूटी पर सवार तीन युवक–सोनू, लक्ष्मी नारायण और मोहम्मद अमन उर्फ शाहिद वहां पहुंचे। पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, आरोपियों ने पहले गौरव को धमकाया कि वह बीच में न आए, क्योंकि वे जिशान को ह्लसबक सिखानाह्व चाहते हैं। इसके बाद मोहम्मद अमन ने जिशान को पकड़ लिया, जबकि सोनू ने चाकू निकालकर उसके सीने में वार कर दिया। वहीं लक्ष्मी नारायण ने डंडे से हमला किया। खून से लथपथ जिशान सड़क पर गिर पड़ा और आरोपी मौके से फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में कई टीमें बनाई गईं। टेक्निकल सर्विलांस, लोकल इंटेलिजेंस और लगातार छापेमारी के बाद सीमापुरी पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में 20 वर्षीय सोनू, 32 वर्षीय लक्ष्मी नारायण और 22 वर्षीय मोहम्मद अमन उर्फ शाहिद शामिल हैं। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू और डंडा भी बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या की साजिश पहले से रची गई थी या झगड़ा अचानक बढ़ा।

मन की साधना

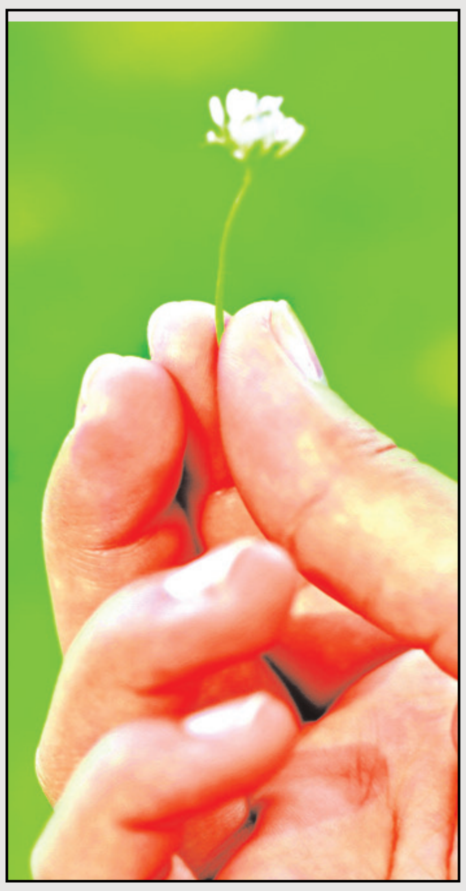

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

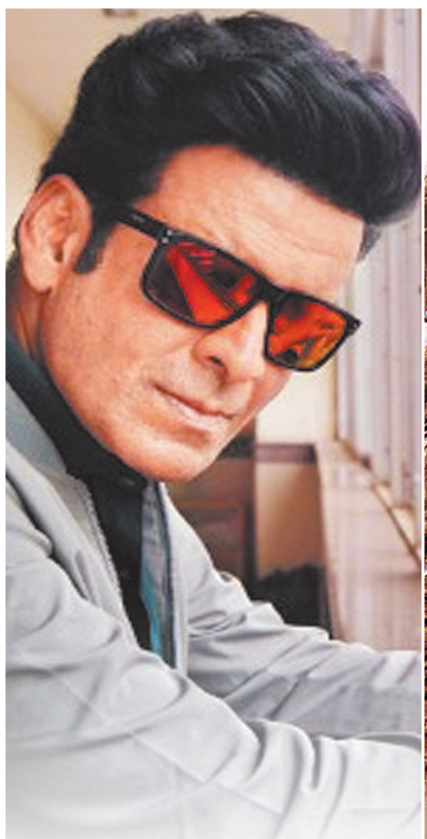

आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'गवर्नर' का टीजर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 1990 के दशक के भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर आधारित है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभाई है। उनका किरदार आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर एस. वेंकटरमणन के जीवन से प्रेरित है।

मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी जारी कर दिया है, जो बेहद दिलचस्प मालूम पड़ता है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट (इकोनॉमिक मेल्टडाउन) की कहानी को सामने लाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी पहली बार आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। टीजर में 1990 के समय की कहानी को दिखाया गया है, जब देश पर आर्थिक संकट आया था। उसके बाद कैसे एक आरबीआई गवर्नर ने एक साइलेंट सेवियर की भूमिका निभाते हुए देश को इस आर्थिक संकट से उबारा था। टीजर में मनोज बाजपेयी के अलावा अदा शर्मा और फिल्म की बाकी कास्ट की भी हल्की सी झलक देखने को मिलती है। मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'द केरल स्टोरी' के मेकर्स ने किया है निर्माण

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित 'गवर्नर' को मराठी सिनेमा के पावर-परफॉर्मर चिन्मय मांडलेकर ने निर्देशित किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर के गीत और अमित त्रिवेदी का संगीत है।

इंस्पेक्टर अविनाश में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है। उर्वशी ने आईएएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए 'परफॉर्मेंस वैनिटी' यानी परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं।'

एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा 'प्रेजेंट' रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, 'असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।' उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।'

उर्वशी ने कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी इमेज बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को दिखाने का मौका दिया।' बता दें कि 'इंस्पेक्टर अविनाश' पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह शो यूपी के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें राज्य में अपराध रोकने की कहानी दिखाई गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला आखिरी बार फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं।

तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर 'अगली स्टोरी' में नजर आएंगी अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।' अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

रियलिटी शो होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।'

कुनिका सदानंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में हो रही देरी के मुद्दे पर खुलकर बात की है। 'बिग बॉस 19' की पूर्व कंटेस्टेंट कुनिका ने कहा कि यह समस्या कई सालों से चली आ रही है और नए कलाकारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खास बातचीत में कुनिका सदानंद ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में तेजी आने के बाद से पेमेंट अक्सर 45 से 90 दिनों तक लेट हो जाता है। उन्होंने इसकी मुख्य वजह भी बताई। कुनिका ने कहा, 'चैनलों को एडवरटाइजर से पैसे देर से मिलते हैं। फिर चैनल प्रोड्यूसर को पैसे देते हैं। इस पूरे कॉर्पोरेट सिस्टम की वजह से देरी होती है। पैसा पहले एडवरटाइजर से चैनल के पास, फिर चैनल से प्रोड्यूसर के पास जाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से देरी हो जाती है। अभिनेत्री ने इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि नए कलाकारों को अपनी फीस थोड़ी ज्यादा तय करनी चाहिए, लेकिन इसमें भी दिक्कत है, क्योंकि थोड़ी ज्यादा फीस मांगने पर प्रोड्यूसर दूसरे कलाकार को चुन सकते हैं। कुनिका ने आगे कहा, 'हर कलाकार की जिंदगी में एक बफर सिस्टम होना चाहिए, लेकिन यह हर समय मुमकिन नहीं होता। यह एक बहुत गंभीर समस्या है।'

उन्होंने बड़े प्रोडक्शन हाउस जैसे बालाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास पर्याप्त रिजर्व फंड होता है, इसलिए उनसे समय पर पेमेंट की उम्मीद की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब टीवी इंडस्ट्री में पेमेंट देरी का मुद्दा उठा है। इससे पहले वरुण बडोला और अर्जुन बिजलानी भी इस समस्या पर खुलकर बोल चुके हैं। कुनिका सदानंद का कहना है कि छोटे और नए कलाकारों को परेशानियों सामना करना पड़ता है। टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुनिका ने उम्मीद जताई कि प्रोड्यूसर्स और चैनल इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेंगे ताकि नए कलाकारों को आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

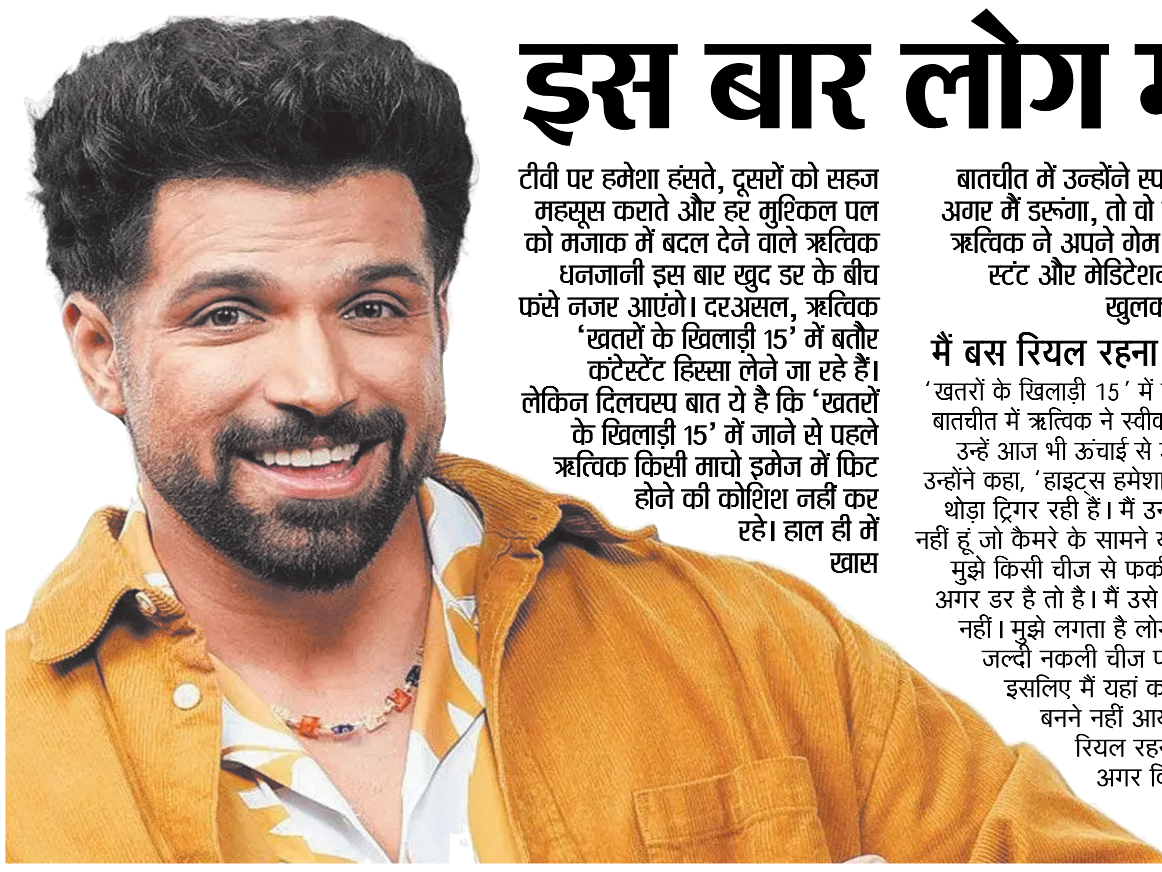

इस बार लोग मेरा थोड़ा अलग साइड देखेंगे

टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋत्विक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋत्विक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले ऋत्विक किसी माचो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में खास बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋत्विक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की।

मैं बस रियल रहना चाहता हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले बातचीत में ऋत्विक ने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चाहते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं। इस बार शायद वो मेरा वो साइड भी देखेंगे जो चुप हो जाता है, डरता है और जो खुद से लड़ता है।' शो में खुद को संभालने के लिए ऋत्विक किसी मोटिवेशनल स्पीच पर नहीं, बल्कि मेडिटेशन पर भरोसा कर रहे हैं। क्योंकि उनका मानना है कि स्टंट से ज्यादा लड़ाई आपके दिमाग के अंदर चल रही होती है।

इस बार सेट पर ड्रामा मस्ती ज्यादा होगी

बाकी कंटेस्टेंट्स की बात आते ही ऋत्विक ने फनी अंदाज में कहा कि हर्ष (गुजराल) तो पहले से दोस्त है और मुझे पता है कि हम दोनों मिलकर बहुत पागलपन करने वाले हैं। जैस्मिन (भसीन) के साथ भी बहुत मजा आएगा। सेट पर ड्रामा कम और मस्ती ज्यादा होने वाली है। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा चोट किस चीज से लगेगी, स्टंट हारने से या सबके सामने डर जाने से, तो उन्होंने कहा कि ईगो दोनों में हर्ट हो सकता है। लेकिन शायद ज्यादा तब, जब आप खुद को निराश कर दो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।